दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, बुधवार 11 नवम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 145 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com



भैया दूज आज

सुविचार

रुकावटें सिर्फ एक चुनौती होती हैं, इन्हें पार करने का नाम ही असली सफलता है।

साइबर अपराध पर पुलिस अधिकारियों को कार्यशैली में बदलाव लाना चाहिए : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति मुर्मू ने भारतीय पुलिस सेवा के 78वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों से की मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने साइबर अपराधों की बढ़ती गंभीरता और डीपफेक सामग्री से उत्पन्न खतरों के मद्देनजर पुलिस अधिकारियों को अपनी कार्यशैली और दृष्टिकोण में बदलाव लाने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि पुलिस को अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करने वाले अपराधियों से हमेशा एक कदम आगे रहना होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 78वें बैच (2025 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाकात के दौरान उन्हें संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों का दायरा लगातार बढ़ रहा है और वे अधिक गंभीर होते जा रहे हैं। पुलिस को समाज में साइबर अपराधों की गंभीरता के प्रति व्यापक स्तर पर जागरूकता फैलानी चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि लोगों में भय पैदा करने के लिए दुष्प्रचार फैलाना एक गंभीर समस्या बनकर उभर रहा है। विशेष रूप से युवा वर्ग सुनियोजित दुष्प्रचार से प्रभावित हो सकता



है। इस तरह की गतिविधियां स्थानीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर भी हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि सतर्क और कुशल पुलिस व्यवस्था ऐसी परिस्थितियों को गंभीर रूप लेने से रोक सकती है। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों के लिए पुलिस अधिकारी और सिपाही शासन-प्रशासन के प्रतीक होते हैं। जब पुलिस व्यवस्था अच्छी तरह काम करती है तो लोगों को शासन भी बेहतर महसूस होता है। पुलिस अधिकारी जब संवेदनशीलता और ध्यानपूर्वक लोगों की शिकायतें सुनते हैं तो इससे उनमें भरोसा और सुरक्षा की भावना पैदा होती है। राष्ट्रपति ने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि उन्हें समाज के कमजोर और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। ऐसे लोगों की वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंच अक्सर सीमित होती है। इसलिए उनकी आशंकाओं को दूर करना और शिकायतों का समाधान करना पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस व्यवस्था में कुछ कर्मचारी तकनीक के इस्तेमाल में वरिष्ठ अधिकारियों से भी अधिक दक्ष हो सकते हैं। ऐसे में वरिष्ठ अधिकारियों को अपनी टीम के कनिष्ठ सदस्यों से भी सीखने में संकोच नहीं करना चाहिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को कार्यशैली में जनभागीदारी और टीम भावना को प्रोत्साहित करने तथा अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के कल्याण को प्राथमिकता देने की सलाह दी। राष्ट्रपति ने कहा कि पुलिस अधिकारियों को कानून और नियमों से व्यापक अधिकार मिलते हैं लेकिन जनता के बीच वास्तविक सम्मान उन्हें अपने कामकाज और मूल्यों के आधार पर ही मिलता है। अधिकारियों में नागरिकों की सेवा करने की प्रतिबद्धता होनी चाहिए,न कि उनके प्रति श्रेष्ठता का भाव।

पंजाब में पराली जलाने के 4,657 मामले,1,442 पर एफआईआर

पटियाला। पंजाब में पराली जलाने की घटनाएं प्रशासन के तमाम प्रयासों के बावजूद थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) की 9 नवंबर तक की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेशभर में कुल 4,657 पराली जलाने के मामले दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में 1,442 एफआईआर दर्ज की गई हैं, जबकि किसानों पर 7 करोड़ 28 लाख 50 हजार रुपये का पर्यावरणीय जुर्माना लगाया गया है, जिसमें से 3 करोड़ 36 लाख रुपये की वसूली हो चुकी है। राज्य में 32.87 लाख हेक्टेयर धान क्षेत्र में से 93.70 प्रतिशत कटाई पूरी हो चुकी है। पराली जलाने की सर्वाधिक घटनाएं तरनतारन (659), फिरोजपुर (621), संगरूर (508) और बठिंडा (412) जिलों में सामने आई हैं। तरनतारन में 307, फिरोजपुर में 365 और संगरूर में 80 एफआईआर दर्ज की गई हैं। पटियाला जिले में भी 299 मामले दर्ज हुए, जहां 86 एफआईआर और 43.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। प्रशासन ने 3,845 खेतों का निरीक्षण किया, जिसमें से 1,675 स्थानों पर पराली जलाने की भौतिक पुष्टि हुई है। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि पराली प्रबंधन अभी भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।

सीएम सम्राट चौधरी ने 15 लापरवाह अधिकारियों को किया निलंबित

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रशासनिक लापरवाही के मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए 15 अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। मंगलवार को की गई इस कार्रवाई में सबसे अधिक नौ अधिकारी राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के हैं। इसके अलावा लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) के चार, ग्रामीण विकास विभाग के एक और नगर विकास एवं आवास विभाग के एक अधिकारी पर कार्रवाई की गई है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के जिन अधिकारियों को निलंबित किया गया है,उनमें भागलपुर जिले के नवगछिया के अंचल अधिकारी संतोष कुमार सुमन, अररिया जिले के फारबिसगंज के अंचल अधिकारी पंकज कुमार,गयाजी जिले के बोधगया के अंचल अधिकारी रमेश कुमार,जहानाबाद जिले के मखदुमपुर के अंचल अधिकारी रंजीत कुमार उपाध्याय, सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज की अंचल अधिकारी प्रियंका सिंह,मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर के अंचल अधिकारी जयप्रकाश,टेटिया बंबर की अंचल अधिकारी अर्चना कुमारी, कटिहार जिले के कोढ़ा के अंचल अधिकारी संजीव कुमार और गोपालगंज के राजस्व कर्मचारी शुभम कुमार शामिल हैं।

प्रख्यात सितार वादक पद्मश्री पंडित मणिलाल नाग का हुआ निधन

कोलकाता। विष्णुपुर घराने के प्रख्यात सितार वादक पंडित मणिलाल नाग का सोमवार देररात कोलकाता के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी, एक पुत्र और एक पुत्री हैं। उनकी पुत्री मीता नाग जानी-मानी सितार वादक हैं। अपने पीछे वह अनगिनत शिष्यों का एक बड़ा परिवार छोड़ गए हैं। वयोवृद्ध सितार वादक उम्रजनित बीमारियों के कारण लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। 1939 में जन्मे मणिलाल नाग को संगीत की शिक्षा विरासत में मिली। उनके पिता गोकुल नाग भी विष्णुपुर घराने के प्रतिष्ठित सितार वादक थे और उन्होंने संगीत की प्रारंभिक शिक्षा अपने पिता से ही प्राप्त की थी। अपने लंबे और यशस्वी करियर के दौरान, उन्होंने देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित मंचों पर अपने वादन का जादू बिखेरा और विष्णुपुर घराने की समृद्ध परंपरा को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई। संगीत के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान के लिए उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा गया। वर्ष 2001 में उन्हें प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष 2020 में उन्हें देश के चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्मश्री से अलंकृत किया गया।

भारत और सऊदी अरब हज यात्रियों की सुविधा के लिए प्रतिबद्ध है : रिजीजू

हज यात्रियों की सुविधा और बेहतर व्यवस्थाओं के लिए भारत ने प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली,(एजेंसी)। हज पर जाने वाले भारतीयों के लिए बेहतर इंतजाम करने के उद्देश्य से भारत और सऊदी अरब ने हज-2027 को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। इस सिलसिले में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू ने सऊदी अरब के जेद्दा में आयोजित हज सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने हज यात्रियों की सुविधा और बेहतर व्यवस्थाओं के लिए भारत की मजबूत प्रतिबद्धता दोहराई। केंद्रीय मंत्री रीजीजू ने एक्स पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने भारत और सऊदी अरब के बीच मजबूत साझेदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देश हज यात्रियों के कल्याण और हज-2027 के सफल आयोजन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने साफ किया कि दोनों देशों की साझेदारी से हज यात्रियों को सर्वोत्तम सुविधाएं देने में मदद मिलेगी। अपने सऊदी अरब दौरे में रिजीजू ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों की आधिकारिक बैठक में भी हिस्सा लिया। इस बैठक की अध्यक्षता सऊदी अरब के हज एवं उमरा मंत्री ने की। जानकारों के मुताबिक रिजीजू ने मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के दौरान सऊदी नेतृत्व के प्रयासों की तारीफ की। उन्होंने हज यात्रियों की सुविधा और उनके कल्याण के लिए किए जा रहे कामों को अहम बताया। उन्होंने भारत और सऊदी अरब के बीच मजबूत संबंधों को बनाए रखने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। रिजीजू ने मक्का क्षेत्र के उप-गवर्नर के साथ अन्य देशों के मंत्रियों की बैठक में भी भाग लिया। इस दौरान भारत के महावाणिज्य दूत और हज विभाग के संयुक्त सचिव भी मौजूद थे। भारत सरकार का कहना है कि हज यात्रियों की सुविधा और बेहतर इंतजाम उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हज-2027 के सफल आयोजन के लिए भारत और सऊदी अरब मिलकर काम करने को तत्पर हैं, ताकि भारतीय हज यात्रियों को एक सुगम और आरामदायक यात्रा अनुभव मिल सके।

चुनाव आयोग की नई ऑडिट रिपोर्ट में मतदान और मतगणना में भारी अंतर



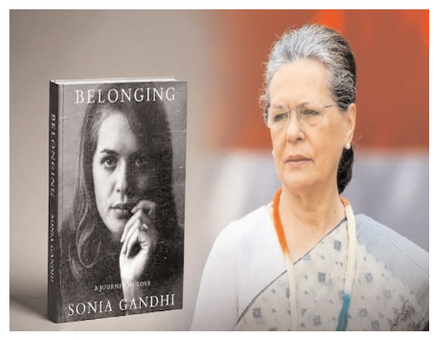
चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली की विश्वसनीयता पर उठे गंभीर सवाल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देश की चुनाव प्रक्रिया और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाली एक नई ऑडिट रिपोर्ट सामने आई है। खोजी पत्रकारिता से जुड़े संगठन द रिपोर्टर्स कलेक्टिव की जारी रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों की 51 सीटों पर मतदान और मतगणना के आंकड़ों में भारी विसंगतियां पाई गई हैं। इस जांच में महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर की 530 विधानसभा एवं लोकसभा सीटों के चुनावी रिकॉर्ड का परीक्षण करने की बात कही गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, 51 सीटों में से 19 सीटों पर चुनाव आयोग के आंतरिक रिकॉर्ड में मतदान केंद्रों पर पहुंचे मतदाताओं की संख्या शून्य या निल बताई गई। जबकि, 32 सीटों पर मतदान के दौरान डाले गए वोट और ईवीएम में गिने गए वोटों की संख्या में भारी अंतर पाया गया। इन 32 सीटों में से 12 सीटों पर डाले गए वोटों से कम और 20 सीटों पर डाले गए वोटों से ज्यादा मतों की गिनती दर्ज की गई। रिपोर्ट यदि सही आंकड़े पेश कर रही है तो यह स्थिति चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। हरियाणा की बड़खल विधानसभा सीट में डाले गए वोट और गिने गए वोट में लाखों का अंतर है। यहां चुनाव आयोग के आंतरिक रिकॉर्ड में 3.32 लाख वोट डाले जाने का उल्लेख है, जबकि ईवीएम में महज 1.60 लाख वोटों की गिनती ही दर्ज हुई। गौरतलब है कि इस सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार विजय प्रताप सिंह महज 6,181 वोटों से चुनाव हार गए थे। उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए चुनावी रिकॉर्ड और मतदान दिवस की सीसीटीवी फुटेज मांगी थी। रिपोर्ट के मुताबिक,10 दिसंबर 2024 को हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को रिकॉर्ड और फुटेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। बावजूद इसके आयोग ने जानकारी उपलब्ध नहीं कराई। इस मामले के बाद ही 20 दिसंबर 2024 को चुनाव नियमों में संशोधन कर दिया गया और मतदान से संबंधित कुछ इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तक आम नागरिकों की पहुंच सीमित कर दी गई। रिपोर्ट का एक महत्वपूर्ण दावा यह भी है, कि साल 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद से चुनाव आयोग ने बूथवार वास्तविक मतदान के आंकड़े सार्वजनिक करना बंद कर दिया। इससे राजनीतिक दलों और नागरिकों के लिए मतदान और मतगणना के आंकड़ों का स्वतंत्र मिलान करना कठिन हो गया है।

वेल्लोर में पुरानी रंजिश को लेकर पीएमके नेता की गोली मारकर हत्या

वेल्लोर। तमिलनाडु के वेल्लोर जिले में गुडियात्तम के पास पुरानी रंजिश को लेकर पट्टाली मक्कल कच्ची (पीएमके) के नेता ज्ञानवेलु की देसी बंदूक से गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना में उनका मित्र रघु भी घायल हो गया। वारदात के बाद फरार होने की कोशिश कर रहे आरोपित पूवरासन को पुलिस ने पैर में गोली मारकर पकड़ लिया। पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में मंगलवार को इस घटना की विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिस के अनुसार,गुडियात्तम के पास सेंगुंद्रम गांव निवासी पीएमके नेता ज्ञानवेलु और उसी गांव के पूवरासन के बीच लंबे समय से रंजिश चल रही थी। सोमवार शाम दोनों के बीच किसी बात को लेकर मौखिक विवाद हुआ। इसी दौरान आरोप है कि पूवरासन ने अपने पास मौजूद बिना लाइसेंस की देसी बंदूक से ज्ञानवेलु पर गोली चला दी। गोलीबारी में ज्ञानवेलु और उनके साथ मौजूद मित्र रघु घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों को गुडियात्तम सरकारी अस्पताल पहुंचाया।

सोनिया ने किताब में किया प्रधानमंत्री नहीं बनने के फैसले का जिक्र



बिना लोकार्पण कार्यक्रम के बाजार में इस किताब की जमकर हो रही बिक्री

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपनी किताब 'बिलॉन्गिंग-अ जर्नी ऑफ लव' में अपने निजी जीवन, राजीव गांधी से मुलाकात और विवाह, भारत आने, परिवार की त्रासदियों तथा 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के फैसले से जुड़े कई प्रसंग साझा किए हैं। उन्होंने इसे राजनीतिक पुस्तक के बजाय निजी संस्मरण बताया है और इसे राहुल, प्रियंका तथा अपने पोते-पोतियों रैहान और मिराया को समर्पित किया है। बिना किसी औपचारिक लोकार्पण कार्यक्रम के बाजार में आई इस किताब की मंगलवार से बिक्री भी शुरू हो गयी है। हार्पर कॉलिन्स इंडिया से प्रकाशित इस किताब में सात अध्याय हैं। इसके कवर पर लगी सोनिया गांधी की तस्वीर वर्ष 1966 में राजीव गांधी ने खींची थी। सोनिया गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मंगलवार को किताब का एक अंश साझा करते हुए 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के फैसले का जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि उनके मन से संदेह के आखिरी अंश भी दूर हो गए थे और उन्होंने खुद से कहा कि उन्हें अपने प्रति सच्चा रहना चाहिए। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी एक्स पर किताब के प्रकाशन पर सोनिया गांधी को बधाई दी। उन्होंने उनके जीवन को प्रेरणादायक यात्रा बताते हुए कहा कि उनके साथ काम करना और उनके नेतृत्व को करीब से देखना उनके लिए विशेष अनुभव रहा है। सोनिया गांधी ने किताब में बताया है कि उन्होंने 2004 के लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही तय कर लिया था कि कांग्रेस के सत्ता में आने पर वह प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करेंगी। राहुल और प्रियंका भी उन्हें इस पद पर नहीं देखना चाहते थे। उन्हें इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्याओं की यादें थीं और आशंका थी कि प्रधानमंत्री बनने से सोनिया की जान को खतरा बढ़ सकता है। सोनिया ने लिखा कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने अपना फैसला सार्वजनिक नहीं किया, ताकि पार्टी में नेतृत्व को लेकर विवाद न हो। चुनाव जीतने के बाद गठबंधन के नेताओं ने उन्हें फैसला बदलने के लिए मनाने की कोशिश की। उन्होंने अपनी असहमति जताई, लेकिन नेताओं ने उनकी बात पूरी सुने बिना ही इसे सहमति मान लिया।

भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए किसी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं : दत्तात्रेय



मथुरा,(एजेंसी)। दीपावली के पश्चात वृंदावन के केशवधाम में मंगलवार दोपहर गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महोत्सव के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष आयोजन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में भाजपा और आरएसएस से जुड़े तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि दत्तात्रेय होसबोले एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा भारत माता और भगवान श्रीकृष्ण के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान भारतीय संस्कृति, परंपराओं, सामाजिक समरसता, प्रकृति संरक्षण और आत्मनिर्भर समाज निर्माण का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि गोवर्धन पूजा का पर्व भगवान श्रीकृष्ण की उस दिव्य लीला का स्मरण कराता है, जब उन्होंने अपनी कनिष्ठ अंगुली पर गिरिराज गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों और ब्रज की रक्षा करते हुए इंद्र का मान भंग किया था। इसी प्रसंग से अन्नकूट महोत्सव की परंपरा जुड़ी हुई है। केशवधाम में आयोजित इस कार्यक्रम में इसी धार्मिक व सांस्कृतिक परंपरा के साथ समाज को एकजुट रहने का संदेश दिया गया। सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने भारतीय संस्कृति की वैश्विक पहचान का उल्लेख करते हुए कहा कि धनतेरस से भाई दूज तक मनाया जाने वाला दीपावली का पर्व केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों में रहने वाले भारतीय भी इसे पूरे उत्साह के साथ मनाते हैं। त्रिनिदाद जैसे देशों में दीपावली के बड़े आयोजन होते हैं, जहाँ हजारों लोग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल होते हैं, वहीं अमेरिका के कई राज्यों में भी दीपावली को विशेष मान्यता दी गई है। अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति, योग, भगवद्गीता, रामायण और महाभारत का ज्ञान आज विश्व भर के लोगों को जीवन की दिशा देने का काम कर रहा है। आज जब दुनिया के कई हिस्सों में अशांति और आपसी द्वेष दिखाई दे रहा है, तब भारत अपनी संस्कृति और जीवन मूल्यों के माध्यम से मानवता को नई दिशा दे सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए किसी अंतरराष्ट्रीय संस्था या संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि भारत की जीवनशैली, चिंतन और संस्कृति ही उसकी वास्तविक पहचान हैं।

अखिलेश जी,12 नवंबर को नहीं, 6 दिसंबर को अयोध्या जाइए : चौधरी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के 12 दिसंबर को अयोध्या दौरे के ऐलान के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। सपा नेता पवन पांडे के अनुसार,अखिलेश यादव पत्नी डिंपल यादव, बेटे और बेटी के साथ अयोध्या जाएंगे। इस दौरान वे हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि में दर्शन-पूजन करेंगे तथा साधु-संतों से मुलाकात करेंगे। इस पर प्रदेश भाजपा ने उन पर हमला बोला है और कहा है कि 12 नहीं, 6 दिसंबर को अयोध्या जाइए और कारसेवकों की मौत पर माफी मांग लें। अखिलेश यादव ने अयोध्या को लेकर सोशल मीडिया पोस्ट में मंदिर व्यवस्था में पारदर्शिता, विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे और अयोध्या को 'सनातन तीर्थाटन की वैश्विक राजधानी' बनाने की बात कही है।

मगरमच्छ के आंसू 1984 के रक्तरंजित दाग नहीं धो सकते: आरपी सिंह

भाजपा नेता आरपी सिंह ने एक्स पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए साधा निशाना

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता आरपी सिंह ने सोनिया गांधी की किताब को काले इतिहास को सफेद करने का प्रयास बताया। आरपी सिंह ने कहा कि किताब में दावा किया गया है कि ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद श्री अकाल तख्त साहिब की तस्वीरें देखकर इंदिरा गांधी भावुक होकर रो पड़ी थीं लेकिन सवाल यह है कि यदि इंदिरा गांधी को वास्तव में इतना दुख था, तो सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने आज तक सिख पंथ से बिना शर्त माफी क्यों नहीं मांगी? आंसू इतिहास नहीं बदल सकते और न ही राजनीतिक जिम्मेदारी से मुक्ति दिला सकते हैं। ऑपरेशन ब्लू स्टार और 1984 में सिखों का नरसंहार महज प्रशासनिक गलतियां नहीं थे। इनके पीछे राजनीतिक साजिश होने के गंभीर आरोप लगाए जाते रहे हैं। इन आरोपों में संजय गांधी के करीबी गुट, अरुण नेहरू और ज्ञानी



जैल सिंह की भूमिका का भी उल्लेख होता है। कथित उद्देश्य अकाली दल को कमजोर करना, चुनावी लाभ हासिल करना और सिख समुदाय को राजनीतिक रूप से दंडित करना था। यह भी ऐतिहासिक तथ्य है कि आपातकाल के दौरान प्रतिरोध की लड़ाई में सिख समुदाय ने अग्रणी भूमिका निभाई थी। देशभर में गिरफ्तार हुए लोगों में 43 प्रतिशत से अधिक सिख बताए जाते हैं। इसके बावजूद कांग्रेस पर आरोप है कि उसने इस राष्ट्रभक्त समुदाय को देशविरोधी के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया। 1985 के चुनावों से पहले एक निजी विज्ञापन एजेंसी के माध्यम से सिख टैक्सी और ऑटो चालकों को लेकर भय और विभाजन का माहौल बनाने के आरोप भी सामने आए। उन्होंने कहा कि सरकार के पास स्वर्ण मंदिर परिसर में सैन्य कार्रवाई के अलावा दूसरे विकल्प भी हो सकते थे। बाद में ऑपरेशन ब्लैक थंडर के दौरान अपनाई गई रणनीति इसका उदाहरण बनी, जिसमें घेराबंदी और दबाव के जरिए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर किया गया। लेकिन ऑपरेशन ब्लू स्टार में टैंकों और तोपों का इस्तेमाल हुआ और श्रीहरमंदिर साहिब परिसर तथा श्रीअकाल तख्त साहिब को भारी नुकसान पहुंचा। राजीव गांधी ने 1984 के नरसंहार के बाद यह कहकर कांग्रेस नेतृत्व की संवेदनहीनता उजागर की थी कि जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है, तो धरती हिलती है। यह बयान उन हजारों निर्दोष सिखों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा था, जिन्होंने उस हिंसा में अपने परिजनों, घरों और सम्मान को खोया।

तीर्थ क्षेत्रों के विकास से उज्जैन 360 डिग्री बदला है : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में भारत कैसे बदला है, देश की जनता और दुनिया इसकी गवाह है। मध्य प्रदेश सहित देशभर में धार्मिक पर्यटन को गति दी जा रही है, उज्जैन में तीर्थाटन में हुई वृद्धि से बदलाव स्पष्ट नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि के परिणामस्वरूप ही काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और बाबा महाकाल महालोक का निर्माण हुआ। वर्ष 2022 के बाद उज्जैन, तीर्थ क्षेत्रों के विकास 360 डिग्री बदला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को उज्जैन में 1211.34 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उज्जैन सहित प्रदेश के टियर 2 शहरों में अधोसंरचना विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्राचीन सांस्कृतिक



विरासत के संरक्षण और पर्व-त्योहारों को भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है, जिनमें प्रदेश की जनता पूर्ण रूप से सहभागी बन रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के भव्य और दिव्य आयोजन की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। सिंहस्थ कुंभ 12 वर्ष में एक बार आता है। शहर के विकास के लिए उज्जैन में आज 1200 करोड़ से अधिक के नए विकास कार्यों और जीर्णोद्धार कार्यों का भूमि-पूजन किया गया है। इसमें शिप्रा नदी के तट पर स्थित प्रसिद्ध अंगारेश्वर महादेव मंदिर भी शामिल है। पृथ्वी पर जीवों की 84 लाख योनियों के आधार पर ही यह प्राचीन शिव मंदिर, 84 महादेव यात्रा में प्रमुख स्थान रखता है। उज्जैन में उत्तर भारत के प्रमुख शक्तिपीठ गढ़कालिका माता के तीर्थ क्षेत्र में भी विकास कार्यों का भूमि-पूजन हो रहा है। भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली सांदीपनि आश्रम के कारण भी उज्जैन का अपना अलग स्थान है। उज्जैन स्थित सिंहस्थ मेला क्षेत्र में नई सड़कों और सीवर लाइन का विस्तार किया जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में 17 नवंबर को बहुप्रतीक्षित जू (चिड़ियाघर) और रेस्क्यू सेंटर का भूमि-पूजन किया जाएगा। उज्जैन में सड़कों के चौड़ीकरण कार्य के लिए स्वेच्छा से अपना मकान छोड़ने वाले परिवारों को मल्टीस्टोरी बिल्डिंग में निःशुल्क आवास उपलब्ध कराया जाएगा। इसी प्रकार जिनकी दुकानें टूटी हैं, उन्हें उज्जैन की खाली जमीन पर मार्केट विकसित कर दुकानें दी जाएंगी। सिंहस्थ मेला क्षेत्र में सड़क निर्माण के लिए किसानों को जमीन अधिग्रहण के 4 गुना मुआवजा के चेक प्रदान किए गए हैं। हमारी सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ,सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

मासूम की हत्या से गरोठ में उबाल, आक्रोशित ग्रामीणों ने बाजार बंद कराकर लगाया जाम



दुष्कर्म के बाद सिर पर पत्थर मारकर हत्या की आशंका

मंदसौर। जिले के गरोठ थाना क्षेत्र के ग्राम लुक्का में सात वर्षीय मासूम बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बच्ची का शव मंगलवार सुबह गांव में कुएं के पास बरगद के पेड़ के खोखले तने में मिला। उसके सिर पर चोट के निशान पाए गए हैं। पुलिस ने मामले में विजय नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद पत्थर से सिर पर वार कर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार बच्ची सोमवार दोपहर करीब 2 बजे अचानक लापता हो गई थी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिलने पर गरोठ थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। मंगलवार सुबह गांव में कुएं के पास बरगद के पेड़ के नीचे बच्ची का शव मिला। शव पेड़ के खोखले तने में छिपाया गया था। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में आक्रोश फैल गया। बच्ची का शव मिलने के बाद आक्रोशित परिजन और ग्रामीण गरोठ सिविल अस्पताल के बाहर बड़ी संख्या में जमा हो गए। लोगों ने आरोपी को उनके हवाले करने की मांग की। आक्रोशित ग्रामीणों ने थाना चौराहे और सरदार वल्लभभाई पटेल चौराहे पर जाम लगा दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अधीक्षक की गाड़ी भी रोक ली। कुछ लोग वाहन के सामने लेट गए और नारेबाजी करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की। घटना की गंभीरता को देखते हुए मंदसौर से जिला पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेरसिंह बघेल भी गरोठ पहुंचे। दोनों पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित ग्रामीणों से चर्चा कर उन्हें समझाइश देने का प्रयास किया। एसडीओपी विजय कुमार यादव भी मौके पर मौजूद रहे। घटना के विरोध में आक्रोशित लोगों ने गरोठ नगर के बाजार भी बंद करवा दिए। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी विजय गरोठ के माली मोहल्ले का निवासी है। वह बच्ची के पिता के साथ ग्राम लुक्का में मजदूरी करता था। प्रारंभिक जांच में बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद पत्थर से सिर पर वार कर हत्या किए जाने की आशंका है। पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर साक्ष्य जुटा रही है तथा आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

जनसुनवाई में पहुंचे आठ आवेदन, अधिकारियों को समय पर निराकरण के निर्देश



मंदसौर। जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय स्थित सभाकक्ष में आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न समस्याओं से जुड़े आठ आवेदन प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर एकता जायसवाल ने आवेदकों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को जांच कर नियमानुसार निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में ग्राम खिलचीपुरा निवासी गोविंद ने रास्ता खुलवाने की मांग को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर तहसीलदार मंदसौर को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वहीं, सगवाली निवासी गोकुल ने निजी भूमि से बिजली लाइन हटवाने अथवा उचित मुआवजा दिलवाने की मांग की। इस मामले में तहसीलदार दलौदा को जांच कर कार्रवाई करने के लिए कहा गया। इसी प्रकार, डीगांवखुर्द निवासी कमलाबाई ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलवाने के लिए आवेदन दिया। इस पर तहसीलदार मंदसौर नगर को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके अलावा जनसुनवाई में रास्ता विवाद का निराकरण कराने, पेंशन का लाभ दिलवाने, ग्रेच्युटी राशि का भुगतान कराने, रास्ता खुलवाने और अतिक्रमण हटवाने सहित अन्य समस्याओं से संबंधित आवेदन भी प्राप्त हुए। इस दौरान विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हरदा की बेटी कनुप्रिया ने राष्ट्रीय स्तर पर जीते 4 स्वर्ण पदक, जिले का नाम किया रोशन



हरदा। मध्य प्रदेश शासन, खेल और युवा कल्याण विभाग भोपाल स्थित राज्य वाटर स्पोर्ट्स एकेडमी की ओर से भाग लेने वाली हरदा जिले के गांव बिछौलामाल की निवासी कनुप्रिया सिंह राजपूत ने राष्ट्रीय स्तर पर इतिहास रच दिया है। 2 से 6 नवंबर तक पंजाब के चंडीगढ़ की सुखना लेक पर आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी कयाकिंग एवं केनोइंग चैम्पियनशिप 2026-27 में कनुप्रिया ने शानदार प्रदर्शन किया। इस चैम्पियनशिप की मेजबानी सी.जी.सी यूनिवर्सिटी मोहाली द्वारा की गई थी। कनुप्रिया लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब की छात्रा होने के साथ-साथ मध्यप्रदेश राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी भोपाल की खिलाड़ी हैं। उन्होंने अपनी यूनिवर्सिटी की ओर से खेलते हुए 4 स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते पहला ष्ट2 1000 मीटर में स्वर्ण, दूसरा ष्ट2 200 मीटर में स्वर्ण, तीसरा ष्ट4 500 मीटर में स्वर्ण, चौथा ष्ट4 1000 मीटर में स्वर्ण। कुल 4 स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने मध्यप्रदेश और हरदा जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।

लंबित आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें : जिपं सीईओ श्रीमती तिवारी

सीएम हेल्पलाइन के लंबित आवेदनों के निराकरण पर विशेष जोर, विभागवार हुई समीक्षा



विदिशा। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सुरभि तिवारी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में लंबित आवेदनों की विस्तृत समीक्षा बैठक संपन्न हुई बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित आवेदनों की विभागवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में वन मंडलाधिकारी श्री हेमंत यादव, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती दीपा श्री काशवानी, संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) तथा विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तिवारी ने समीक्षा के दौरान सीएम हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री कार्यालय, केंद्रीय मंत्री एवं प्रभारी मंत्री कार्यालय से प्राप्त आवेदनों, वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त शिकायतों एवं आवेदन पत्रों की प्रगति की जानकारी ली। इसके साथ ही मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान तथा जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत प्राप्त एवं लंबित आवेदनों की भी विभागवार समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक लंबित आवेदन का गंभीरता से परीक्षण कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई की जाए। आवेदनों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए तथा निर्धारित समय-सीमा में उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। अत: अधिकारी आवेदनों के निराकरण में संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें। समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन के 300 दिवस से अधिक समय से लंबित आवेदनों पर विशेष जोर दिया गया। जिला पंचायत सीईओ ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को इन प्रकरणों का प्राथमिकता से परीक्षण कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुराने लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा की जाए तथा प्रत्येक आवेदन में की गई कार्रवाई की अद्यतन जानकारी पोर्टल पर दर्ज कराई जाए। बैठक के दौरान जिले में संचालित विभिन्न अभियानों के अंतर्गत अब तक संपादित कार्यों एवं उनकी प्रगति की भी समीक्षा की गई।

श्रीमती तिवारी ने अभियानवार निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति तथा लंबित कार्यों को गति प्रदान करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, जिससे शासन की योजनाओं एवं अभियानों का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंच सके। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि जनसमस्याओं के निराकरण में तत्परता बरतते हुए प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित करें।

समय पर एफडी राशि का भुगतान मिलने पर हितग्राही माखन धानक ने जिला प्रशासन के प्रति जताया आभार

विदिशा। जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जा रहा है। जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के संज्ञान में एक प्रकरण अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989 एवं नियम 1995 के अंतर्गत स्वीकृत एफडी की राशि के भुगतान में आ रही समस्या का संज्ञान में लेते हुए लीड बैंक आफीसर के माध्यम से त्वरित निराकरण कराया है। समस्या का हल होने पर हितग्राही ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम देवीपुर निवासी श्री माखन धानक को शासन की ओर से 50 हजार रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई थी। उक्त राशि की एफडी उनके नाम से बनाई गई थी। एफडी में उनके पिता का नाम त्रुटिवश गलत दर्ज हो जाने तथा एफडी की अवधि पूर्ण होने के बावजूद बैंक से राशि का भुगतान नहीं हो पा रहा था। इस कारण हितग्राही को लगभग तीन माह से परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने इस संबंध में कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर एफडी की राशि का भुगतान कराने का अनुरोध किया था। जिला प्रशासन द्वारा प्रकरण को संज्ञान में लेकर आवश्यक कार्यवाही की गई, जिसके फलस्वरूप हितग्राही को एफडी की 50 हजार रुपये की राशि उनके बैंक खाते में प्राप्त हो गई। राशि का भुगतान प्राप्त होने के बाद श्री माखन धानक ने अपनी शिकायत वापस लेते हुए लिखित रूप से अवगत कराया कि उन्हें एफडी की संपूर्ण राशि अपने खाते में प्राप्त हो गई है। अब उन्हें किसी प्रकार की कोई शिकायत शेष नहीं है। उन्होंने समय पर समस्या का निराकरण कर आर्थिक सहायता की राशि दिलाने के लिए जिला प्रशासन के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आमजन की समस्याएं, अधिकारियों को निराकरण के दिए निर्देश



हरदा। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में आमजन की समस्याएं सुनीं। उन्होंने विभिन्न आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में आवश्यक जांच कर समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्रीमती अनुपमा चौहान, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नरोत्तम भार्गव, एसडीएम खिरकिया सुश्री रजनी वर्मा, एसडीएम हरदा श्री शैलेन्द्र बड़ोनिया, एसडीएम टिमरनी श्री असवनराम चिरामन, डिप्टी कलेक्टर सुश्री श्वेता बम्होरे एवं श्री अशोक डेहरिया सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में ग्राम धनगांव निवासी मुकेश बड़ौदिया ने गैस रिफिलिंग के बाद सिलेंडर से गैस नहीं आने की शिकायत की। इस पर खाद्य अधिकारी हरदा को समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार हरदा निवासी गजानंद बांके ने अपना गैस कनेक्शन बालाजी गैस एजेंसी से श्री साईंनाथ गैस एजेंसी में स्थानांतरित कराने के संबंध में आवेदन दिया। इस पर भी खाद्य अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। हरदा निवासी उमा बाई एवं विक्रम चंदेवा ने अधिक विद्युत बिल आने की शिकायत की। इस पर विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को जांच कर समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए गए। ग्राम रान्याखेड़ी निवासी श्रीमती मायाबाई ने खेत तक आवागमन के रास्ते की मांग की। इस पर तहसीलदार हरदा को जांच कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। सिराली निवासी रियाज खान ने नल-जल योजना के तहत पेयजल व्यवस्था में सुधार के लिए आवेदन दिया, जिस पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी सिराली को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

इसी तरह ग्राम मोहनपुर निवासी श्रीमती राधाबाई ने सीमांकन, कब्जा दिलाने एवं नक्शा दुरुस्त कराने की मांग रखी। इस पर तहसीलदार हरदा को प्रकरण की जांच कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए।

देवउठनी ग्यारस पर बाल विवाह की आशंका, रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान तेज

मंदसौर। देवउठनी ग्यारस पर बाल विवाह की संभावनाओं को देखते हुए जिले में इसकी रोकथाम के लिए जागरूकता गतिविधियां तेज कर दी गई हैं। कलेक्टर दिव्यांक सिंह के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को वन स्टॉप सेंटर मंदसौर की टीम ने बाल विवाह रोकथाम को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए बताया गया कि इससे बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और मानसिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कानून के अनुसार बालिका की आयु 18 वर्ष और बालक की आयु 21 वर्ष पूर्ण होने के बाद ही विवाह किया जाना चाहिए। इस दौरान बालिकाओं की शिक्षा और बाल अधिकारों के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को बाल विवाह नहीं करने और इसकी रोकथाम में सक्रिय सहयोग देने की शपथ दिलाई गई। साथ ही अपील की गई कि आसपास कहीं भी बाल विवाह होने की जानकारी मिले तो तत्काल प्रशासन, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अथवा शिक्षक को सूचित करें और बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में सहभागी बनें।

बोनी से पहले किसान अवश्य करें बीजों के अंकुरण की जांच

कृषि विज्ञान केंद्र की केंद्र प्रमुख डॉ. संध्या मुरे ने किसानों को दी सलाह

हरदा। रबी फसलों की बोनी से पहले किसान अपने बीजों के अंकुरण की जांच अवश्य करें, ताकि खेत में बीजों का उचित अंकुरण सुनिश्चित हो सके। कृषि विज्ञान केंद्र हरदा की केंद्र प्रमुख डॉ. संध्या मुरे ने किसानों से यह आग्रह किया है। उन्होंने विशेष रूप से उन किसानों को बीजों की अंकुरण क्षमता जांचने की सलाह दी है, जिन्होंने पिछले वर्ष का बीज बोनी के लिए सुरक्षित रखा है अथवा ऐसे किसानों से बीज खरीदा है, जिनके बीजों के अंकुरण की जांच नहीं हुई है। डॉ. मुरे ने बताया कि किसान घर पर ही आसानी से बीजों के अंकुरण की जांच कर सकते हैं। इसके लिए बोनी में उपयोग किए जाने वाले बीजों में से 100-100 दानों के चार नमूने लेकर कुल 400 दाने अलग कर लें। इन चारों नमूनों को अलग-अलग गीले कपड़े अथवा जूट की बोरी में लपेटकर नमीयुक्त स्थान पर रखें। पर्याप्त समय बाद जब बीज अंकुरित हो जाएं, तब प्रत्येक नमूने में स्वस्थ अंकुरित दानों की संख्या गिनें। चारों नमूनों में अंकुरित दानों की कुल संख्या को चार से भाग देने पर अंकुरण प्रतिशत प्राप्त हो जाएगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि यदि कुल 400 दानों में से 360 दाने अंकुरित होते हैं, तो बीजों का अंकुरण प्रतिशत 90 प्रतिशत होगा। किसान चाहें तो 100 दानों का एक नमूना लेकर भी अंकुरण की जांच कर सकते हैं, लेकिन चार अलग-अलग नमूनों से जांच करने पर परिणाम अधिक विश्वसनीय प्राप्त होते हैं।

भानपुरा पुलिस ने 62 लाख की ब्राउन शुगर के साथ एक आरोपी को पकड़ा, डोडाचूरा भी जब्त



मंदसौर। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत भानपुरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 310 ग्राम ब्राउन शुगर (स्मैक) और 5 किलो 400 ग्राम डोडाचूरा जब्त किया है। जब्त ब्राउन शुगर की कीमत करीब 62 लाख रुपए तथा डोडाचूरा की कीमत 11 हजार रुपए बताई गई है। कार्रवाई के दौरान आरोपी की होंडा साइन मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार 8 नवंबर को भैसोदामंडी चौकी प्रभारी उप निरीक्षक धर्मेश यादव को मुखबिर से सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने भैसोदामंडी तालाब के पास आम रोड पर कार्रवाई करते हुए कालू सिंह (43) पिता मांगीलाल उर्फ मांगू सिंह, निवासी ग्राम सुराखेड़ी, थाना गरोठ को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 310 ग्राम ब्राउन शुगर और 5 किलो 400 ग्राम डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों का पालन करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर मादक पदार्थ जब्त किए। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 8/15, 21 एवं 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस अब जब्त मादक पदार्थों के स्रोत और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ एवं जांच कर रही है। आरोपी के कब्जे से जब्त होंडा साइन मोटरसाइकिल क्रमांक स्क्का4 ष्ट6535 की कीमत करीब 50 हजार रुपए बताई गई है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामसनेही मिश्रा एवं एसडीओपी विजय कुमार यादव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भानपुरा उप निरीक्षक विनय बुंदेला तथा भैसोदामंडी चौकी प्रभारी उप निरीक्षक धर्मेश यादव की टीम ने की। कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक सूर्यपाल मेंडा, आरक्षक जितेन्द्र कोठे और आरक्षक बहादुर भुरिया का भी योगदान रहा।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, बुधवार 11 नवम्बर 2026

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के सिनेमैटोग्राफर शाजी कुमार का निधन

तिरुवनंतपुरम। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर सिनेमैटोग्राफर शाजी कुमार का 57 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनके निधन की खबर से मलयालम फिल्म जगत में शोक छा गया है। शाजी को विशेष रूप से मोहनलाल की कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपने शानदार कैमरा वर्क के लिए जाना जाता था। जानकारों के मुताबिक शाजी कुमार इन दिनों अलप्पुझा में अभिनेता दिलीप की एक फिल्म की शूटिंग में व्यस्त थे।

अखिलेश का अयोध्या दौरे का इकबाल अंसारी ने किया स्वागत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले,समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का अयोध्या दौरा राजनीतिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बना है। इस बहुप्रतीक्षित दौरे को लेकर जहां सियासी बयानबाजी तेज हो गई है, वहीं बाबरी मस्जिद मामले के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने इसका गर्मजोशी से स्वागत किया है। अंसारी ने कहा कि भगवान राम की नगरी में सभी को दर्शन करने आना चाहिए।

कांग्रेस पार्टी हैदराबाद में 13-14 नवंबर को करेगी भारत समिट

सलमान खुर्शीद ने जानकारी में कहा 70 देशों के प्रतिनिधि लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। कांग्रेस 13 एवं 14 नवंबर को हैदराबाद में भारत समिट आयोजित करेगी। इसमें 70 देशों के करीब एक हजार प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इनमें नीति निर्माता और दुनिया के विभिन्न देशों के प्रगतिशील आंदोलनों से जुड़े प्रमुख नेता शामिल होंगे। समिट में नए वैश्विक व्यवस्था, भू-राजनीतिक बदलाव,जलवायु परिवर्तन, मीडिया की भूमिका और सूचना की विश्वसनीयता सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी। पूर्व विदेश मंत्री, कांग्रेस के विदेश विभाग के अध्यक्ष सलमान खुर्शीद ने मंगलवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में



पत्रकार वार्ता में कहा कि यह समिट दो महत्वपूर्ण अवसरों के साथ आयोजित हो रही है। इनमें पंडित जवाहरलाल नेहरू की 137वीं जयंती और भारत की आजादी के 80 वर्ष पूरे होना शामिल है। उन्होंने कहा कि नेहरू की सोच आज भी कांग्रेस की विदेश नीति और उसके दृष्टिकोण के लिए प्रेरणा है। समिट का उद्देश्य राहुल गांधी की भारत और दुनिया के भविष्य तथा नई वैश्विक व्यवस्था की परिकल्पना पर विचार करना है। इसमें 12 अंतरराष्ट्रीय सत्र और तेलंगाना पर केंद्रित आठ सत्र होंगे। तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार,उद्योग एवं वाणिज्य तथा विधायी मामलों के मंत्री श्रीधर बाबू दुड्डिल्ला ने कहा कि विभिन्न देशों से आने वाले प्रतिनिधियों के विचार-विमर्श से तेलंगाना के शासन और जनता को लाभ मिलेगा। अंतरराष्ट्रीय सत्र हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एचआईसीसी) में होंगे,जबकि तेलंगाना से जुड़े सत्र हाइटेक्स में आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में फ्यूचर सिटी और शहरीकरण,आर्थिक एवं सामाजिक न्याय, कल्याणकारी नीतियों, सहकारी संघवाद, संस्कृति,युवा और खेल तथा चुनावी निष्पक्षता जैसे विषयों पर चर्चा होगी। श्रीधर बाबू ने कहा कि भारत समिट में शामिल होने वाले भागीदारों को दिसंबर में होने वाले इन्वेस्ट तेलंगाना ग्लोबल समिट 2026 में भी आमंत्रित किया जाएगा। यह आयोजन 7 से 9 दिसंबर तक होगा। इसमें संभावित निवेश के अवसरों पर चर्चा की जाएगी। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोम्मा महेश कुमार गौड़ ने कहा कि तेलंगाना में दूसरी बार इतने बड़े स्तर का आयोजन हो रहा है। करीब 70 देशों के प्रगतिशील विचारक इसमें हिस्सा लेंगे। उन्होंने इसे राज्य के लिए गर्व का अवसर बताया। कांग्रेस महासचिव गुरदीप सिंह सप्पल ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में भारत सहित पूरी दुनिया में नफरत और विभाजन की राजनीति बढ़ी है। इससे जनता को नुकसान हुआ है। दुनिया की प्रगतिशील और उदारवादी पार्टियां भी इस चुनौती को समझ रही हैं। कांग्रेस ने ऐसी राजनीति के खिलाफ दुनिया की पार्टियों को एकजुट करने की पहल की है। पिछले साल भी हैदराबाद में भारत समिट आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि आज सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बड़ी कंपनियां दुनिया की राजनीति को प्रभावित कर रही हैं और राजनीतिक प्रक्रिया पर कंपनियों का प्रभाव बढ़ रहा है।

नितिन नवीन मुनक नहर पर 11 किमी लंबे छठ घाट का करेंगे उद्घाटन

छठ पर्व को लेकर बिहार,उत्तर प्रदेश सहित देशभर में भव्य तैयारी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन गुरुवार (12 नवंबर) को मुनक नहर पर 11 किलोमीटर लंबे छठ घाट का उद्घाटन करेंगे। बाहरी रिंग रोड से इंद्रलोक तक विकसित किए जा रहे इस घाट पर व्रतियों की सुविधा के लिए दोनों ओर सीढ़ियां और सीमेंट की सड़क बनाई जा रही है, जिससे श्रद्धालुओं को पूजा के लिए आने-जाने में सुविधा मिलेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को जनसेवा सदन में छठ पूजा समितियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि तैयारियों में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय से पहले पूरी कर ली जाएं। इस वर्ष दिल्लीवासियों के लिए एक विशेष आकर्षण मुनक नहर पर तैयार किया जा रहा 11 किलोमीटर लंबा छठ घाट होगा। उन्होंने



बताया कि 12 नवंबर को भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन सिंगलपुर गांव के निकट आयोजित कार्यक्रम में इस भव्य घाट का उद्घाटन करेंगे। सरकार इसे इस तरह विकसित कर रही है कि आसपास की कई विधानसभा क्षेत्रों के श्रद्धालु यहां सुविधापूर्वक छठ पूजा कर सकें। उन्होंने बैठक में कहा कि छठ महापर्व लाखों लोगों की आस्था, विश्वास और परंपरा से जुड़ा है। सरकार की प्राथमिकता है कि श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान किसी तरह की असुविधा न हो। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें और घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। बैठक में छठ पूजा से जुड़ी विभिन्न समितियों के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। दिल्ली में इस बार छठ पूजा के लिए लगभग 1400 से अधिक घाट तैयार किए जा रहे हैं, जबकि पिछले वर्ष 1326 घाट बनाए गए थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घाटों की आधारभूत तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं ताकि अंतिम समय में केवल पानी भरने, टेंट लगाने और सफाई जैसे काम ही शेष रहें। जिला प्रशासन और संबंधित विभाग अपने-अपने क्षेत्रों में घाटों का नियमित निरीक्षण करें और सामने आने वाली कमियों को तत्काल दूर करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूजा से दो दिन पहले सभी प्रमुख व्यवस्थाएं पूरी हो जानी चाहिए। अधिकारियों ने बैठक में बताया कि इस वर्ष छठ महापर्व 13 से 16 नवंबर तक मनाया जाएगा। नवंबर में संभावित ठंड को देखते हुए मुख्यमंत्री ने बड़े और मध्यम आकार के घाटों पर जरूरत के अनुसार पर्याप्त कवर वाले टेंट लगाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने महिलाओं की सुविधा को विशेष प्राथमिकता देते हुए सभी प्रमुख घाटों पर पर्याप्त संख्या में चेंजिंग रूम और शौचालय उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छठ पूजा की पवित्रता और गरिमा को ध्यान में रखते हुए इन सुविधाओं की स्वच्छता और उपयोगिता पर विशेष ध्यान दिया जाए। बड़े घाटों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित माहौल में पूजा कर सकें।

मुख्यमंत्री योगी की पराली प्रबंधन पहल से किसानों को मिला नया रास्ता

खेतों का अवशेष बना कमाई का साधन, बायोगैस प्लांट से किसानों को आर्थिक लाभ



लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश में पराली प्रबंधन को किसानों के लिए आर्थिक अवसर में बदलने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जोर फसल अवशेषों को जलाने के बजाय उनका वैज्ञानिक और व्यावसायिक उपयोग सुनिश्चित करने पर है। इसके तहत पराली को बॉयोगैस उत्पादन से जोड़कर किसानों को अतिरिक्त आय, खेतों को जैविक खाद और पर्यावरण को प्रदूषण से राहत देने की पहल की जा रही है। इस व्यवस्था से पराली अब किसानों के लिए समस्या नहीं, बल्कि कमाई का नया जरिया बन रही है। प्रदेश में अभी 40 बॉयोगैस प्लांट संचालित हैं और निकट भविष्य में 78 और प्लांट स्थापित किए जाने हैं। बाराबंकी के हरख ब्लॉक स्थित करामतखेड़ा गांव के योगेश इसका उदाहरण हैं। वह साल में गेहूं, धान और आलू की तीन फसलें उगाते हैं। पहले एक फसल की कटाई के बाद खेतों में बची पराली उनके लिए बड़ी परेशानी बन जाती थी। उसे जलाने पर जुर्माने का डर और खेत में छोड़ने पर अगली फसल की बुआई में देरी की आशंका रहती थी। अब फसल कटते ही पराली खेत से उठ जाती है और वह समय से अगली फसल की तैयारी शुरू कर देते हैं। टिकरा गांव के किसान बलराम बताते हैं कि पराली बॉयोगैस प्लांट तक पहुंचने से उसके निस्तारण पर होने वाला खर्च बच रहा है। पहले एक एकड़ खेत से पराली हटाने पर करीब 2,500 से 3,000 रुपये तक खर्च करने पड़ते थे। कई बार समय पर खेत खाली करने के दबाव में किसान पराली जलाने को मजबूर हो जाते थे। इससे पर्यावरण के साथ मिट्टी की सेहत और उसमें मौजूद लाभकारी सूक्ष्मजीवों को भी नुकसान पहुंचता था। अब पराली का इस्तेमाल बॉयोगैस बनाने में हो रहा है। प्रसंस्करण के बाद बचने वाले जैविक अवशेष को खाद के रूप में उपयोग किया जा रहा है। कृषि विभाग के मार्गदर्शन में गेट्स फाउंडेशन की टेक्निकल सपोर्ट यूनिट (टीएसयू) ने पराली प्रबंधन का यह मॉडल विकसित किया है। बेहतर व्यावसायिक चक्र तैयार करने के लिए सप्लाई चेन से जुड़े सभी पक्षों के साथ समन्वय स्थापित किया गया। इसमें किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को विशेष रूप से जोड़ा गया और उन्हें पायलट प्रोजेक्ट में भागीदारी के लिए तैयार किया गया।

जनवरी 2027 में हो सकते हैं पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव

सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं 16 फरवरी से 9 अप्रैल तक प्रस्तावित

नई दिल्ली। देश के पांच राज्यों में जनवरी 2027 में विधानसभा चुनाव कराए जाने की संभावना जताई जा रही है। इनमें मणिपुर, गोवा, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। हालांकि, चुनाव आयोग ने अभी तक जनवरी में चुनाव कराने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। चुनाव की संभावित समय-सारिणी को लेकर चर्चा की एक प्रमुख वजह सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं हैं, जो 16 फरवरी से 9 अप्रैल 2027 तक प्रस्तावित हैं। दरअसल,इन पांच राज्यों में से चार विधानसभाओं का कार्यकाल मार्च 2027 में समाप्त हो रहा है। ऐसे में निर्धारित समयसीमा के भीतर नई विधानसभा के गठन के लिए चुनाव कराना जरूरी होगा। वहीं, उत्तर प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल 22 मई 2027 तक है।



बोर्ड परीक्षाओं के दौरान चुनावी प्रक्रिया और परीक्षा व्यवस्था के बीच तालमेल की चुनौती को देखते हुए जनवरी में मतदान कराए जाने की संभावना पर मीडिया में चर्चा हो रही है। विधानसभा कार्यकाल की अंतिम तारीखों के मुताबिक, मणिपुर विधानसभा का कार्यकाल 13 मार्च 2027, गोवा का 14 मार्च, पंजाब का 16 मार्च और उत्तराखंड का 28 मार्च 2027 को पूरा हो रहा है। उत्तर प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल 22 मई 2027 तक है। इन तारीखों को देखते हुए चुनाव आयोग को चार राज्यों में मार्च से पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी करनी होगी। जनवरी के शुरु में पांचों राज्यों में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे की स्थिति रह सकती है। ऐसे मौसम में मतदान केंद्रों तक मतदाताओं की पहुंच और सुबह के समय मतदान के लिए लोगों को प्रेरित करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। चुनाव प्रचार के दौरान भी राजनीतिक दलों को रैलियां करने और घर-घर जाकर जनसंपर्क अभियान चलाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश बोर्ड की परीक्षाएं भी 5 से 27 फरवरी के बीच प्रस्तावित हैं। ऐसे में फरवरी में चुनाव कराने पर स्कूलों और परीक्षा केंद्रों की उपलब्धता तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर असर पड़ सकता है। सीबीएसई परीक्षाओं का कार्यक्रम भी चुनाव की तारीखें तय करते समय महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दीपावली की छुट्टियां खत्म होते ही चेन्नई लौटने लगे लोग



क्लाम्बक्कम बस टर्मिनल पर उमड़ी यात्रियों की भारी भीड़

चेन्नई, 10 नवंबर (एजेंसी)। दीपावली का त्योहार और लगातार मिली छुट्टियां समाप्त होने के बाद अपने-अपने गृह जिलों में गए लोगों की चेन्नई वापसी शुरू हो गई है। मंगलवार आधी रात से ही क्लाम्बक्कम स्थित कलैग्नर शताब्दी बस टर्मिनल पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ने लगी। एक साथ हजारों लोगों के लौटने के कारण बस टर्मिनल के साथ-साथ जीएसटी रोड और त्रिची-चेन्नई राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी यातायात प्रभावित हुआ। दीपावली का त्योहार परिवार और रिश्तेदारों के साथ मनाने के लिए तमिलनाडु के दक्षिणी और मध्य जिलों में गए लोग छुट्टियां समाप्त होने के बाद वापस चेन्नई पहुंच रहे हैं। इसके चलते सड़कों और सार्वजनिक परिवहन केंद्रों पर यात्रियों और वाहनों का दबाव बढ़ गया है। दक्षिणी जिलों से कार, दोपहिया और बसों से चेन्नई लौट रहे लोगों के कारण त्रिची-चेन्नई राष्ट्रीय राजमार्ग और जीएसटी रोड पर कई स्थानों पर लंबा जाम लग गया। परनूर टोल प्लाजा से पालार नदी पुल तक तथा सिंगपेरुमाल कोविल, मरैमलाई नगर, गुडुवांचेरी, उरप्पाक्कम और क्लाम्बक्कम में वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। कई स्थानों पर वाहन रेंगते नजर आए, जिससे यात्रियों और वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई। क्लाम्बक्कम बस टर्मिनल और तांबरम में भी यात्रियों की भारी भीड़ रही। एक साथ बड़ी संख्या में यात्रियों के चेन्नई लौटने से क्लाम्बक्कम बस टर्मिनल पर महानगर की बसों में सवार होने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। यात्रियों ने अतिरिक्त बसें चलाने की मांग की है। इसके बाद परिवहन निगम की ओर से विशेष बसों के संचालन की तैयारियां तेज कर दी गई हैं, ताकि यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी न हो। बस टर्मिनलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में यात्रियों के सामान, मोबाइल फोन और सोने की चेन की चोरी या छिनतई जैसी घटनाओं को रोकने के लिए पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पुलिस की ओर से विभिन्न इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई है, जिससे कि भीड़ का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व किसी वारदात को अंजाम न दे सकें। इसी बीच, वेलाचेरी समेत कुछ इलाकों में धुंध और धुएं का असर भी देखने को मिला। कम दृश्यता के कारण वाहन चालक हेडलाइट जलाकर वाहन चलाते नजर आए। वहीं, बुजुर्गों और बच्चों को सांस संबंधी परेशानी होने की आशंका को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के पास मिला हथियारों का जखीरा बरामद

सिलीगुड़ी। न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन के पास से 150 राउंड जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। इतनी बड़ी मात्रा में कारतूस मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मंगलवार सुबह निताई शील नामक एक व्यक्ति ने न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन से महज कुछ दुर फुलेश्वरी स्थित इंडियन ऑयल डिपो के पास एक लावारिस बैग पड़ा देखा। संदेह होने पर उन्होंने बैग की जांच की तो उसके अंदर भारी मात्रा में कारतूस मिले। उन्होंने एनजेपी थाने को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और बैग को जब्त कर उसमें रखे कारतूसों को बरामद किया। महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन और डिपो के नजदीक इस तरह हथियारों का जखीरा मिलने से सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस घटना पर चिंता जताते हुए पर्यटन मंत्री शंकर घोष ने कहा कि वह पूरे मामले को लेकर सिलीगुड़ी पुलिस कमिश्नरेट से बातचीत करेंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी मात्रा में कारतूस कहां से आए और क्या इसके पीछे कोई आपराधिक नेटवर्क सक्रिय है।



राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 11 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

गठबंधन बनाने की ऊबाऊ प्रक्रिया

अब इजराइल में गठबंधन बनाने की ऊबाऊ प्रक्रिया शुरू होगी। विपक्षी नेता गादी आसेनकोट ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। इसलिए कुछ दिन रहस्य बना रहेगा, लेकिन बाजी आखिरकार शायद नेतन्याहू के हाथ ही रहेगी! इजराइल में फिर बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व में सरकार बनने की संभावना बनती दिख रही है। हालांकि ताजा चुनाव में किसी पार्टी या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला, लेकिन मौजूदा सियासी समीकरणों के बीच ऐसा लगता है कि नेतन्याहू की स्थिति मजबूत है। चुनाव रुझानों के मुताबिक 120 सदस्यीय केनेसेट (संसद) में नेतन्याहू की अपनी पार्टी लिकुड को तो महज 28 सीटें ही मिलीं, लेकिन धुर-दक्षिणपंथी ऐसे 57 सांसद जीत कर आए हैं, जिनका समर्थन वर्तमान प्रधानमंत्री को मिल सकता है। नतीजे सामने आने के बाद राष्ट्र के नाम संबोधन में नेतन्याहू ने दावा किया कि 'दक्षिणपंथी पार्टियों को निर्णायक जीत' मिली है। इस आधार पर उन्होंने आह्वान किया 'राष्ट्रीय दक्षिणपंथी सरकार' का गठन होना चाहिए। उचित ही इस अपील को उन छोटे दलों को अपनी ओर खींचने का दांव माना गया है, जो यहूदीवादी (मजहबी) एजेंडे को लेकर मतदाताओं के बीच गए थे। वैसे, जिन मुद्दों और सवालों के बीच यह चुनाव हुआ, उनके मद्देनजर यह कहा जाएगा कि नेतन्याहू इजराइली राजनीति में अपने प्रभाव का फिर मुजाहिरा करने में कामयाब रहे हैं। भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों, प्रशासनिक अकुशलता की शिकायतों, और सात अक्टूबर 2023 के हमास के हमलों के दौरान सरकारी नाकामी के तमाम कथानकों के बीच लिकुड का सबसे बड़ी पार्टी बने रहना संकेत है कि इजराइली आवाम के एक बड़े हिस्से को आज भी नेतन्याहू का कोई विकल्प नजर नहीं आता। इस सिलसिले में अमेरिकी समर्थन भी एक बड़ा पहलू है, जिसकी इजराइली सियासत में हमेशा निर्णायक किस्म की भूमिका रही है। इस चुनाव के दौरान दो बार अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने खुलेआम नेतन्याहू के लिए अपने समर्थन का एलान किया। इससे संदेश गया कि अमेरिका का बेहिचक समर्थन बनाए रखने के लिए नेतन्याहू का नेतृत्व जरूरी है। अनुमान लगाया जा सकता है कि युद्ध के मौजूदा माहौल में इस पहलू ने अनेक मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित किया होगा। अब इजराइल में गठबंधन बनाने की ऊबाऊ प्रक्रिया शुरू होगी। विपक्षी नेता पूर्व सेनाध्यक्ष गादी आसेनकोट ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। इसलिए कुछ दिन रहस्य बना रहेगा, लेकिन बाजी आखिरकार शायद नेतन्याहू के हाथ ही रहेगी!

राशिफल



मेष राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी गुम हुई पुरानी वस्तु आज वापस मिल जाएगी। साथ ही, आपको निवेश में लाभ होगा। इस राशि के लोगों को आज जीवनसाथी से गिफ्ट मिल सकता है, जिससे आप दोनों के रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी। आज दूसरों की बात को भी अच्छे से समझने की कोशिश करें, इससे आपको लाभ मिलेगा। आज आप किसी अपने की मदद भी कर सकते हैं।

वृष राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज किसी बड़े मामले पर समझौता करने और सहयोग करने के लिए आप तैयार रहें। आपके रुके हुए काम आज पूरे हो जाएंगे। इस राशि के लोग आज अपने जीवनसाथी को लेकर किसी धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं। नवविवाहित लोगों के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज प्रोजेक्ट में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जो आगे सफलता के लिए मददगार साबित होगा। ऑफिस के कामों में दूसरों की राय लेने से बचें, बेहतर यही होगा कि किसी अपने की मदद लें, तो काम आसानी से सफल होंगे।

कर्क राशिः आज के दिन आपको धन लाभ होगा। आज किसी अजनबी से बहस न करें। पैसों के लेन-देन के मामले में किसी भी तरह का निर्णय लेने से पहले बड़ों की सलाह जरूर लें। अपने ध्यान को केंद्रित कर काम को पूरा करने की कोशिश करें।

सिंह राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका रुझान रचनात्मक कार्यों की तरफ ज्यादा रहेगा। नया वाहन खरीदने के लिए आज का दिन शुभ है। साथ ही, घर की साज-सजावट के लिए घरेलू उपकरणों से जुड़ी खरीदारी करने के लिए भी आज का दिन बहुत अच्छा है।

कन्या राशिः कन्या राशि के लोगों के लिए आज का दिन बहुत लकी है। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन बेहद फायदेमंद रहेगा। आज अपनी मेहनत और अच्छे व्यवहार के कारण आपको धनलाभ होगा। शत्रु पक्ष आज आपके प्रभाव से पस्त रहेगा।

तुला राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। आज आप अपने कामों में कामयाबी का परचम लहराएंगे। आज आप खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से फिट महसूस करेंगे। अगर आप नया वाहन खरीदने की सोच रहे हैं, तो खरीद सकते हैं। व्यापार में आपको भारी लाभ मिलने के आसार नजर आ रहे हैं।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज किसी कार्य को पूरा करने का आपका प्रयास सफल रहेगा। आज परिजनों से शुभ समाचार मिलेंगे और आपके आत्मसम्मान में वृद्धि होगी। आज किसी व्यक्ति विशेष से आपको महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है। रात को बाहर किसी दोस्त के साथ डिनर पर जाने का मौका मिल सकता है।

धनु राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। व्यापारी वर्ग के लोगों को अच्छा धनलाभ होगा। अगर किसी नए व्यापार की शुरुआत करना चाह रहे हैं, तो आज का दिन अनुकूल है। इस राशि के लोगों को अपने जीवनसाथी से आज बहुत सारा प्यार मिलेगा, साथ ही आप कहीं धार्मिक स्थल पर जाने का मन बना सकते हैं।

मकर राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आपका मनोबल ऊंचा रहने के कारण आपके कार्य अच्छी गति से आगे बढ़ेंगे। आज बिजनेस में बदलाव के आसार दिखाई दे रहे हैं। ऑफिस में आपकी क्रिएटिविटी पहले से और अधिक अच्छी बनेगी। इस राशि के लवमेट्स के लिए आज का दिन बहुत बढ़िया है। आज भाग्य पूरी तरह से आपका साथ देगा।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल होने वाली है। साथ ही, किसी विदेशी कंपनी से जॉब का ऑफर भी आ सकता है, जिसे ज्वाइन करना आपके लिए बेहद फायदेमंद रहेगा। आज अपने वाहन की पार्किंग सेफ जगह पर ही करें। आज अचानक धन लाभ होने के प्रबल योग बने हुए हैं।

मीन राशिः आज आपका दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आएगा। आपका रुझान अध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। माता-पिता के साथ किसी मंदिर में दर्शन के लिए जा सकते हैं, हालांकि यात्रा या ट्रिप के लिए बनाया हुआ प्लान आज टल सकता है। आज आप घर पर अधिक समय व्यतीत करेंगे। पैसों से जुड़ी पुरानी समस्या आज खत्म हो जाएगी। व्यवसाय से अच्छा धन लाभ होगा।

महतारी वंदन से बेटी पढ़ाओ को मिल रहा संबल

धनंजय राठौर



छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना की शुरुआत आधिकारिक रूप से 1 मार्च 2024 को हुई थी और इसका औपचारिक शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 10 मार्च 2024 को किया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा है कि मोदी की गारंटी का मतलब होता है, गारंटी पूरी होने की गारंटी। यह योजना के तहत राज्य की सभी पात्र विवाहित महिलाओं को लाभ प्रदान की जा रही है इसके अलावा विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाएं भी इस योजना का लाभ ले रही हैं। छत्तीसगढ़ की महतारी वंदन योजना की आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए घरेलू जरूरतें पूरी करने के साथ बेटियों के भविष्य को संवारने का जरिया बन रही है। योजना से मिलने वाली राशि का एक हिस्सा वे सुकन्या समृद्धि खातों में जमा कर रही हैं, ताकि आगे चलकर बेटियों की उच्च शिक्षा और अन्य जरूरतों के लिए आर्थिक संबल मिल सके। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के संकल्प को जमीनी स्तर पर मजबूती दे रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मातृशक्ति का सम्मान और उनका आर्थिक सशक्तिकरण हमारी सरकार के लिए केवल एक योजना या कार्यक्रम नहीं, बल्कि सुशासन की प्रमुख प्राथमिकता है।

प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन तथा उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर मे सतत सुधार तथा परिवार में उनकी निर्णायक भूमिका सुदृढ़ करने हेतु, समाज में महिलाओं के प्रति भेदभाव, असमानता एवं जागरूकता की कमी को दूर करने, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार करने तथा आर्थिक स्वावलंबन एवं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना लागू किया गया है, जिसके अंतर्गत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना की शुरुआत आधिकारिक रूप से 1 मार्च 2024 को हुई थी और इसका औपचारिक शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 10 मार्च 2024 को किया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा है कि मोदी की गारंटी का मतलब होता है, गारंटी पूरी होने की गारंटी। यह योजना के तहत राज्य की सभी पात्र विवाहित महिलाओं को लाभ प्रदान की जा रही है इसके अलावा विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाएं भी इस योजना का लाभ ले रही हैं। छत्तीसगढ़ की महतारी वंदन योजना की आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए घरेलू जरूरतें पूरी करने के साथ बेटियों के भविष्य को संवारने का जरिया बन रही है। योजना से मिलने वाली राशि का एक हिस्सा वे सुकन्या समृद्धि खातों में जमा कर रही हैं, ताकि आगे चलकर बेटियों की उच्च शिक्षा और अन्य जरूरतों के लिए आर्थिक संबल मिल सके। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के संकल्प को जमीनी स्तर पर मजबूती दे रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मातृशक्ति का सम्मान और उनका आर्थिक सशक्तिकरण हमारी सरकार के लिए केवल एक योजना या कार्यक्रम नहीं, बल्कि सुशासन की प्रमुख प्राथमिकता है। दक्षिण बस्तर का दंतेवाड़ा लंबे समय तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहा है। ऐसे क्षेत्र में बेटी की शिक्षा के लिए बचत का यह प्रयास बदलती आकांक्षाओं और बेहतर भविष्य को नई उम्मीद दे रहा है। प्रमिला की तरह कुछ अन्य महिलाएं भी मासिक सहायता का हिस्सा बेटियों के नाम बचत करने में लगा रही हैं। इस योजना से महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद मिल रही है, इससे महिलाएं अपनी आय के स्रोत विकसित कर कर अपने परिवार का आर्थिक रूप से सहयोग कर रही हैं। इस योजना से महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद मिल रही है, इससे महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में जागरूक होने और उन्हें प्राप्त करने में मदद मिल रही है। रायपुर जिले के रावेली गांव की मीना निषाद ने भी अपनी बेटी महिमा के लिए सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाया है। वह कहती हैं, महतारी वंदन योजना से हर महीने एक हजार रुपये मिलते हैं। मैं यह राशि अपनी बेटी के सुकन्या समृद्धि खाते में जमा करती हूं। मैं चाहती हूं कि आगे चलकर यह बचत उसकी पढ़ाई और भविष्य की जरूरतों में काम आए। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर विकासखंड के परीं गांव की अंजू कुशवाहा भी इसी तरह बचत कर रही हैं। वह मासिक सहायता की कुछ राशि बेटी के सुकन्या खाते में जमा करती हैं और शेष रकम घरेलू खर्चों पर लगाती हैं। उनके मुताबिक, नियमित आर्थिक मदद से भविष्य के लिए थोड़ी-बहुत बचत कर पाने का भरोसा बढ़ा है। वहीं, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के बघमरा गांव की दीपाली मरकाम इस राशि का इस्तेमाल बच्चों की स्कूली जरूरतों और बेटी के भविष्य के लिए बचत करने में कर रही हैं। उनका कहना है कि हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे अच्छी शिक्षा हासिल करें और जीवन में आगे बढ़ें, लेकिन सीमित घरेलू संसाधनों के बीच भविष्य के लिए पैसे बचाना आसान नहीं होता। मासिक सहायता से उन्हें बच्चों की पढ़ाई में योगदान देने और बेटी के लिए बचत करने में मदद मिल रही है। *मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की नारी, शान हैं हमारी..* सुशासन की सरकार महतारी वंदन योजना के माध्यम से हर माह 1,000 यानी सालाना 12,000 की आर्थिक सहायता देकर प्रदेश की माता-बहनों के सम्मान, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता को नई मजबूती प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 8 अक्टूबर 2026 को योजना की 32 वीं किस्त के रूप में 67 लाख से अधिक महिलाओं के खातों में डी बी टी के माध्यम से 632.40 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित की गई है। अब तक 20,708 करोड़ से अधिक की राशि महतारी वंदन योजना के माध्यम से माता-बहनों को प्रदान की जा चुकी है। महतारी वंदन योजना से रायपुर जिले के 5 लाख 13 हजार 534 हितग्राही, बिलासपुर जिले के 4 लाख 11 हजार 310 हितग्राही, दुर्ग के 3 लाख 89 हजार 507 हितग्राही, बलौदाबाजार-भाटापारा के 3 लाख 19 हजार 815 हितग्राही और महासमुंद जिले के 3 लाख 12 हजार 162 हितग्राहियों के खातों में डी बी टी के माध्यम से सुशासन की सरकार राशि अंतरित कर माताओं-बहनों को आर्थिक रूप से सक्षम बना रही है। वर्ष 2015 में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत शुरू की गई सुकन्या समृद्धि योजना बालिकाओं के भविष्य के लिए बचत का अवसर देती है। इसके माध्यम से मां-बाप बेटियों की शिक्षा और विवाह जैसी भविष्य की जरूरतों के लिए धन जमा कर सकते हैं। इन महिलाओं के अनुभव बताते हैं कि नियमित आर्थिक सहायता से बेटियों की शिक्षा और भविष्य के लिए योजनाबद्ध बचत की शुरुआत करना संभव हो रहा है। लेखक संयुक्त संचालक, जनसंपर्क रायपुर हैं।

भारत का उभरता सुपरकंप्यूटिंग परितंत्र



भारत की सुपरकंप्यूटिंग यात्रा 1990 के दशक की शुरुआत में परम 8000 से विकसित होकर 2015 में शुरू किए गए राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के तहत एक राष्ट्रीय परितंत्र में बदल गई है। सितंबर 2026 तक 40 सुपर कंप्यूटरों द्वारा 68 पीएफ (पेटाफ्लॉप्स) यानी काफी तेज गणना देने के साथ, एनएसएम उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) तक अपना विस्तार कर रहा है। मिशन ने कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, मौसम भविष्यवाणी एवं जलवायु मॉडलिंग, आपदा प्रबंधन, बिग डेटा एनालिटिक्स और खगोल भौतिकी में कम्प्यूटर अनुप्रयोगों को संभव बनाते हुए स्वदेशी सर्वर, सॉफ्टवेयर, कूलिंग और नेटवर्किंग प्रौद्योगिकियां भी विकसित की हैं। *देश की सुपरकंप्यूटिंग क्षमताओं का निर्माणफसल पैदावार की भविष्यवाणी करने और बीमारी के प्रकोप पर नज़र रखने से लेकर दवा की खोज में तेजी लाने और नदी की बाढ़ के कारण प्रभावित क्षेत्रों की भविष्यवाणी करने तक, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग सामाजिक अनुप्रयोगों का समर्थन करती है जो रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करते हैं। वे बड़े पैमाने पर डेटासेट को संसाधित करने में मदद करते हैं और जलवायु, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य देखभाल और इंजीनियरिंग में जटिल सिमुलेशन का समर्थन करते हैं। वे तेजी से विश्लेषण भी संभव करते हैं और शोधकर्ताओं को जटिल वैज्ञानिक चुनौतियों का तेजी से समाधान करने में मदद करते हैं। वैज्ञानिक खोज और तकनीकी नवाचार में तेजी लाने के लिए यह आवश्यक होता जा रहा है। सुपर कंप्यूटर उच्च प्रदर्शन वाले कंप्यूटिंग सिस्टम हैं जिन्हें असाधारण गति पर जटिल गणनाओं को संभव बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। वे एक साथ कई गणनाएं करने के लिए बड़ी संख्या में प्रोसेसर को जोड़ते हैं। यह शोधकर्ताओं को बड़े पैमाने पर डेटासेट का विश्लेषण करने और परिष्कृत सिमुलेशन को कुशलतापूर्वक चलाने में सक्षम बनाता है। इसलिए सुपर कंप्यूटर उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान और रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रदान करते हैं। देश का बढ़ता डिजिटल परितंत्र उन्नत कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे की मांग को बढ़ा रहा है। भारत दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत डेटा उत्पन्न करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मौसम पूर्वानुमान और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण कंप्यूटिंग क्षमताओं की जरूरत होती है। इसलिए सरकार अनुसंधान संस्थानों में सुपरकंप्यूटिंग तक पहुंच का विस्तार कर रही है। यह प्रयास स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करता है और भारत के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करता है। *रचनात्मक दिमाग, विज्ञान को उत्प्रेरत करना और प्रौद्योगिकी को सशक्त बनानाभारत के उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन का दूसरा संस्करण एस्टिक (ईएसटीआईसी)-2026 27 से 29 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 卐रचनात्मक दिमाग, विज्ञान को उत्प्रेरत करना और प्रौद्योगिकी को सशक्त बनाना卐 विषय के तहत आयोजित किया जाएगा। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की ओर से आयोजित ईएसटीआईसी-2026 उभरते विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मोर्चे को आगे बढ़ाएगा। इनमें सुपरकंप्यूटिंग और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। यह सम्मेलन रणनीतिक सहयोग को उत्प्रेरित करेगा और देश के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण का समर्थन करेगा। 12 विषयगत क्षेत्रों में फैले इस कार्यक्रम में पूर्ण सत्र, तकनीकी चर्चा और प्रदर्शनियां होंगी। *राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के पीछे की रणनीतिदेश की कंप्यूटिंग क्षमताओं को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने अप्रैल 2015 में राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) शुरू किया। इस मिशन को लगभग 4,500 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ लॉन्च किया गया था। इस मिशन को संयुक्त रूप से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) संचालित करता है। इस मिशन का उद्देश्य सुपरकंप्यूटिंग में आत्मनिर्भरता बढ़ाना और देश की उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग क्षमताओं को मजबूत करना है। इस मिशन में वैज्ञानिक और तकनीकी डोमेन में अनुसंधान, विकास और समस्या-समाधान के लिए सुपरकंप्यूटिंग के उपयोग को बढ़ावा दिया जाता है। यह सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए समाधान के विकास का भी समर्थन करता है। यह मिशन देश में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी सुपरकंप्यूटिंग परितंत्र स्थापित करना चाहता है। सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक), पुणे और भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु इस मिशन को आगे बढ़ाते हैं। एनएसएम एक %बिल्ड दृष्टिकोण% का अनुसरण करता है जिसमें स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे को बनाने के लिए तीन समवर्ती चरण शामिल हैं= असेंबली, विनिर्माण और डिजाइन एवं विनिर्माण समर्थन। यह दृष्टिकोण स्वदेशी क्षमताओं के विकास के साथ कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार को जोड़ता है। *सुपर कंप्यूटर के बारे में रोचक तथ्यनियमित कंप्यूटरों के विपरीत, सुपर कंप्यूटर को बहुत उच्च गति पर बड़ी मात्रा में डेटा को संसाधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें कई प्रोसेसर या कंप्यूटिंग नोड्स का उपयोग किया जाता है जो एक साथ काम करते हैं। यह उन्हें पारंपरिक कंप्यूटरों की तुलना में जटिल समस्याओं को बहुत तेजी से हल करने में मदद करता है। इन नोड्स के बीच उच्च गति कनेक्शन उन्हें बड़े पैमाने पर गणना के दौरान कुशलता से डेटा का आदान-प्रदान करने में सक्षम बनाते हैं। सुपर कंप्यूटर को कभी-कभी समानांतर कंप्यूटर कहा जाता है क्योंकि सुपरकंप्यूटिंग समानांतर प्रसंस्करण का उपयोग कर सकता है। समानांतर प्रसंस्करण तब होता है जब कई सीपीयू एक निश्चित समय में एक ही गणना को हल करने पर काम करते हैं। एक सुपर कंप्यूटर की शक्ति को फ्लॉप्स (फ्लोटिंग पॉइंट ऑपरेशंस प्रति सेकंड - एफएलओपीएस) में मापा जाता है। यह हमें बताता है कि यह एक सेकंड में कितनी गणना कर सकता है। एक टेराफ्लॉप्स (टीएफ) का अर्थ है प्रति सेकंड एक ट्रिलियन गणना, जबकि एक पेटाफ्लॉप्स (पीएफ) का अर्थ है प्रति सेकंड एक क्वाड्रिलियन गणना। दुनिया का सबसे तेज सुपर कंप्यूटर 2026 में लगभग 2.19 एक्साफ्लॉप गणना की क्षमता हासिल करता है। यह प्रति सेकंड लगभग 2.19 क्विंटिलियन गणना कर सकता है। *मिशन की वर्तमान स्थितिएनएसएम के तहत, भारत ने सुपरकंप्यूटिंग में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने पर केंद्रित एक परितंत्र स्थापित किया है। इसमें सुपर कंप्यूटर डिजाइन, विकास, विनिर्माण, सिस्टम सॉफ्टवेयर और विशेष अनुप्रयोग शामिल हैं। यह बढ़ती स्वदेशी क्षमता आयातित प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता को कम कर सकती है। यह देश के घरेलू उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग परितंत्र को भी मजबूत करता है। एनएसएम ने पूरे देश में विभिन्न शैक्षणिक/अनुसंधान संस्थानों में 123 पीएफ से अधिक की संचयी क्षमता वाले कुल 50 सुपर कंप्यूटर स्थापित करने की योजना बनाई है। ये प्रणालियां अपनी प्रसंस्करण क्षमताओं के आधार पर विविध कम्प्यूटेशनल जरूरतों को पूरा करती हैं। *परम श्रृंखला का विकाससी-डैक से विकसित और 1991 में अनावरण किए गए परम 8000 ने 1 गीगाफ्लॉप की गति के साथ स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग में देश के प्रवेश को चिह्नित किया। इसने कम्प्यूटर की परम श्रृंखला की नींव रखी, जो कम्प्यूटेशनल रूप से गहन अनुप्रयोगों का समर्थन करते हुए 54 टेराफ्लॉप्स पर परम युवा जैसी तेजी से शक्तिशाली प्रणालियों के माध्यम से विकसित हुई। इसने मौसम पूर्वानुमान, जो वायुमंडलीय स्थितियों की भविष्यवाणी करता है, और कम्प्यूटेशनल द्रव गतिशीलता, जो द्रव प्रवाह आदि का अध्ययन करता है, जैसे अनुप्रयोगों का समर्थन किया है। इस श्रृंखला ने बाद में घरेलू अनुसंधान और अंतर्राष्ट्रीय तैनाती दोनों के लिए देश की सुपरकंप्यूटिंग क्षमताओं का विस्तार किया। *कंप्यूटिंग क्षमता का विस्तारसितंबर 2026 तक, भारत ने 68 पीएफ की संयुक्त क्षमता वाले 40 सुपर कंप्यूटर तैनात किए थे। इसमें 1 पीएफ से अधिक की 13 हाई-एंड प्रणालियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 12 मिड-रेंज सिस्टम की क्षमता 500 टीएफ और 1 पीएफ के बीच है। अन्य 15 प्रणालियों की क्षमता 500 टीएफ से कम है। इन मशीनों को स्थानीय स्तर पर बनाया गया है और देश भर में चालू किया गया है। मिशन बुनियादी ढांचे, अनुप्रयोगों, अनुसंधान और विकास एवं मानव संसाधन विकास को आगे बढ़ाना जारी रखता है। *सतत विकास के लिए सुपरकंप्यूटिंगएनएसएम राष्ट्रीय विकास के क्षेत्रों में उन्नत कंप्यूटिंग को लागू करके 11 संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में योगदान देता है। इसके अनुप्रयोग एचपीसी प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षा और कौशल विकास को मजबूत करते हुए बाढ़ की भविष्यवाणी, वन-अग्नि प्रबंधन और जलवायु मॉडलिंग के माध्यम से जलवायु कार्रवाई का समर्थन करते हैं। यह मिशन शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के बीच नवाचार, स्वदेशी प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास और सहयोग को भी बढ़ावा देता है। *एनएसएम के तहत सुपरकंप्यूटिंग के राष्ट्रीय अनुप्रयोगएनएसएम के तहत तैनात सुपर कंप्यूटर बड़े पैमाने पर सिमुलेशन और तेज डेटा प्रोसेसिंग का समर्थन करते हैं, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय अनुप्रयोगों को सक्षम किया जा सकता है। जीनोमिक्स और ड्रग डिस्कवरी प्लेटफॉर्म= यह दवाओं को खोजने और परीक्षण करने में मदद करने के लिए अणुओं के बड़े सेट का अध्ययन करता है। इसका उपयोग कोविड-19 के दौरान मौजूदा दवाओं की जांच करने और हृदय जोखिम जैसे दुष्प्रभावों की भविष्यवाणी करने के लिए किया गया था। शहरी पर्यावरण निर्णय सहायता प्रणाली= यह मौसम और वायु प्रदूषण को ट्रैक करने के लिए विस्तृत मॉडल का उपयोग करता है। यह भारी बारिश और प्रदूषण की भविष्यवाणी करता है ताकि शहर तैयारी कर सकें और नुकसान को कम कर सकें। भूकंपीय इमेजिंग सूट= इसका उद्देश्य उपसतह संरचनाओं को मैप करने के लिए उन्नत एल्गोरिदम का उपयोग करके तेल और गैस की खोज में सुधार करना है। इसका प्रदर्शन वाणिज्यिक भूकंपीय इमेजिंग टूल से मेल खाता है। नदी घाटियों के लिए बाढ़ की भविष्यवाणी के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली= यह 2 दिन पहले तक बाढ़ की भविष्यवाणी करने के लिए डेटा विश्लेषण और भविष्य कहनेवाला मॉडल का लाभ उठाती है। इसका उपयोग समुदायों और बुनियादी ढांचे की रक्षा के लिए महानदी नदी बेसिन के लिए किया जा रहा है। फॉरेस्ट फायर स्प्रेड मॉडल= यह कम्प्यूटेशनल मॉडल के साथ उपग्रह रिमोट सेंसिंग को जोड़ती है ताकि यह अनुमान लगाया जा सके कि जंगल की आग कैसे फैलेगी।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 11 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

सारा ने की नेपोटिज्म पर बात, बोलीं- नहीं था गॉडफादर; पिता ने भी नहीं की मदद



बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान एक प्रतिष्ठित फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनकी दादी शर्मिला टैगोर और माता-पिता अमृता सिंह व सैफ अली खान फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने नाम हैं। सारा ने माना कि स्टार किड होने का उन्हें बॉलीवुड में फायदा मिला है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि नेपोटिज्म पर लगातार चर्चा होने से उनकी मेहनत और प्रयासों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

सारा से पूछा गया कि क्या उनके परिवार की विरासत ने उनकी मदद की है या उन पर बोझ बनी है, तो सारा ने कहा, यह दोनों का मिला-जुला रूप है। मैं इतनी नासमझ या भ्रम में नहीं हूं कि इस बात को न मानूं या इसके लिए आभारी न रहूं कि इसने मेरे लिए कई दरवाजे खोले। इसने मुझे पहचान दी है, लेकिन साथ ही, कभी-कभी मुझे लगता है कि उम्मीदों का स्तर बहुत ऊंचा हो जाता है।

सारा ने आगे कहा, लोगों के लिए नेपोटिज्म बुरा शब्द बन गया और मुझे जो बात अच्छी नहीं लगती, वह यह है कि इससे इंसान की अपनी मेहनत को नजरअंदाज कर दिया जाता है। मैंने पहले भी कहा है और फिर कहूंगी चाहे जाह्नवी हों, अनन्या हों या मैं, हमने यह नहीं चुना कि हम किस परिवार में पैदा होंगे। हम बस किस्मत वाले थे। मुझे नहीं लगता कि हमारी गलती न होने पर भी हमें दोषी ठहराना सही है।

सारा कहती हैं, क्या नेपोटिज्म से हमें कोई फायदा मिला है? हां, बिल्कुल। हमें ऐसा डेब्यू मिला जिसके लिए लोग तरसते हैं, लेकिन करियर के 8 साल बाद भी, अगर मुझे लोगों को यह समझाना पड़े तो मुझे नहीं लगता कि इसकी जिम्मेदारी मुझ पर होनी चाहिए। मैं अकेली मां के साथ रहती हूं। मेरे पास कोई ऐसा पिता नहीं था जो ऑफिस जाए, मेरे कॉन्ट्रैक्ट्स पर बातचीत करे और लोगों से मुझे अपनी फिल्मों में लेने की गुजारिश करे।

सारा आगे कहती हैं, जब मुझे केदारनाथ के समय कोई परेशानी हुई, तो मैंने उसे खुद ही सुलझाया। मेरे साथ कोई नहीं था। यह दोधारी तलवार की तरह है, क्योंकि इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था।

बता दें सारा के माता-पिता अमृता और सैफ का 2004 में तलाक हो गया था, और उनकी परवरिश मुख्य रूप से उनकी मां ने ही की है।

कभी मॉडलिंग से भी घबराती थीं इलियाना डिक्रूज, पहली फिल्म से ही जीत लिया फिल्मफेयर अवॉर्ड

फिल्मी दुनिया में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जिन्हें पहली ही फिल्म से दर्शकों का प्यार मिल जाता है लेकिन उस मुकाम तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं होता। इलियाना डिक्रूज भी ऐसी ही अभिनेत्रियों में शामिल हैं। उन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की और बाद में हिंदी सिनेमा में भी अपनी जगह बनाई। रणबीर कपूर और प्रियंका चोपड़ा के साथ फिल्म बर्फी में काम करने के बाद उनकी पहचान देशभर में हो गई। हालांकि, कैमरे के सामने आने से पहले इलियाना मॉडलिंग को लेकर भी सहज नहीं थीं। उन्हें शुरुआत में इस दुनिया में कदम रखने से डर लगता था, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने खुद को इस काम के लिए तैयार किया और पहली ही फिल्म से अवॉर्ड जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की। इलियाना डिक्रूज का जन्म 1 नवंबर 1986 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता रोनाल्डो डिक्रूज और मां समीरा डिक्रूज हैं। उनका परिवार मूल रूप से गोवा से जुड़ा है। जब इलियाना करीब 10 साल की थी, तब उनका परिवार गोवा चला गया। वहीं उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की। उनके परिवार में तीन भाई-बहन हैं। इलियाना का बचपन सामान्य तरीके से बीता और उस समय उन्होंने अभिनेत्री बनने के बारे में नहीं सोचा था।

इलियाना की मॉडलिंग में एंट्री भी एक दिलचस्प घटना के बाद हुई। उनकी मां जिस होटल में काम करती थीं, वहां के एक मैनेजर ने इलियाना को देखा और उनकी मां को मॉडलिंग में करियर बनाने की सलाह दी। इसके बाद उनकी मां ने उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। शुरुआत में इलियाना कैमरे के सामने आने में सहज नहीं थीं। साल 2003 में उनका पहला मॉडलिंग पोर्टफोलियो तैयार किया गया था लेकिन उन्हें वह बिल्कुल पसंद नहीं आया। उन्होंने



बाद में इसे अपना खराब अनुभव बताया था। हालांकि, इसके बाद उन्होंने कुछ फोटोशूट और रैंप शो किए। धीरे-धीरे उन्हें विज्ञापनों में काम मिलने लगा।

मॉडलिंग के दौरान इलियाना को तेलुगु फिल्म देवदासु में काम करने का मौका मिला। साल 2006 में रिलीज हुई इस फिल्म से उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। उस समय उनकी उम्र करीब 17 साल थी। फिल्म में उन्होंने भानुमति का किरदार निभाया था। यह एक रोमांटिक फिल्म थी, जिसमें राम के साथ उनकी जोड़ी दिखाई दी थी। फिल्म को दर्शकों ने पसंद किया और इलियाना की एक्टिंग की भी तारीफ हुई। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर साउथ का बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड मिला। पहली ही फिल्म से सम्मान मिलने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा।इसके बाद इलियाना ने तेलुगु सिनेमा में कई सफल फिल्मों में काम किया। पोकीरी, जलसा, किक और जुलाई जैसी फिल्मों ने उन्हें दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया। महेश बाबू, पवन कल्याण, रवि तेजा और अल्लू अर्जुन जैसे कलाकारों के साथ काम करके उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। साल 2012 में उन्होंने तमिल फिल्म ननबन में भी काम किया।इलियाना के करियर का सबसे बड़ा मोड़ साल 2012 में आया, जब उन्होंने अनुराग बसु की फिल्म बर्फी से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनके साथ रणबीर कपूर और प्रियंका चोपड़ा थे। फिल्म में उन्होंने श्रुति घोष का किरदार निभाया था। यह एक ऐसी लड़की की कहानी थी, जिसकी जिंदगी में प्यार और रिश्तों को लेकर कई मुश्किलें आती हैं। फिल्म में इलियाना का किरदार कहानी को आगे बढ़ाने में अहम था। इलियाना ने एक इंटरव्यू में बताया था कि बर्फी के लिए हां कहना उनके लिए आसान नहीं था। वह गोवा की लड़की थीं और फिल्म में उन्हें 1970 के दशक की बंगाली लड़की का किरदार निभाना था।

चिरंजीवी की काका संक्रांति पर होगी रिलीज, मेकर्स ने देरी की अफवाहों पर लगाया विराम

चिरंजीवी की फिल्म काका के 2027 में संक्रांति पर रिलीज होने की प्लानिंग चर्चा का विषय बन गई है, क्योंकि फिल्म की रिलीज की तारीख आधिकारिक तौर पर 13 जनवरी तय की गई है। मेकर्स ने फिल्म के टलने की अटकलों पर विराम लगा दिया है, जबकि ऐसी खबरें थीं कि चिरंजीवी की लंबे समय से अटकी फिल्म विश्वंभरा को भी संक्रांति पर रिलीज करने पर विचार किया जा रहा था। काका की टीम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए रिलीज की देरी की अफवाहों पर विराम लगाया है और बताया कि यह फिल्म अपने तय समय पर ही दस्तक देगी।

काका के मेकर्स ने पोस्ट करते हुए लिखा, सभी अटकलों को खत्म करते हुए, काका संक्रांति 2027 पर रिलीज हो रही है। मेगास्टार चिरंजीवी गारू और बॉबी के साथ हमारी बहुप्रतीक्षित फिल्म 13 जनवरी, 2027 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आएगी। पहला गाना जल्द ही आएगा। डायरेक्टर बॉबी ने भी अटकलों पर बात करते हुए लिखा, कोई शक नहीं, कोई देरी नहीं। हम इस संक्रांति को अपना बनाने आ रहे हैं - 13 जनवरी, 2027।



यह पोस्ट ऐसे समय आया है, जब अफवाहें सामने आई कि विश्वंभरा, जिसमें पहले ही देरी हो चुकी है। वो भी अगले साल संक्रांति पर रिलीज हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो चिरंजीवी की ये दोनों फिल्में एक ही त्योहार के समय रिलीज के लिए आमने-सामने हो सकती हैं। चल रही खबरों के मुताबिक विश्वंभरा की टीम संक्रांति पर फिल्म रिलीज़ करना चाहती है, जिसकी एक वजह इसके ओटीटी डील पर पड़ने वाला असर हो सकता है। हालांकि, इससे काका को अपनी रिलीज की तारीख आगे बढ़ाने का दबाव पड़ सकता है। फिलहाल विश्वंभरा की टीम की तरफ से संक्रांति पर रिलीज को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और चिरंजीवी ने भी अपने प्लान में किसी बदलाव का ऐलान नहीं किया है।=वीडियो में चिरंजीवी को एक्रा इंडस्ट्री में सुपरवाइजर के सत्यम के तौर पर दिखाया गया है और फिर कहानी फ्लैशबैक में चली जाती है, जहां उनका युवा किरदार ज्यादा स्टाइलिश और एक्शन-ओरिएंटेड अवतार में नजर आता है। फिल्म में अनस्वारा राजन भी हैं

रामायण से टक्कर लेने से बचने के लिए टली अंशुमन झा की लकड़बग्घा 2 की रिलीज

अंशुमन झा और सारा जेन डायस की आने वाली फिल्म लकड़बग्घा 2: द मंकी बिजनेस इस साल दिवाली पर रिलीज होने वाली थी। हालांकि, अब इसकी रिलीज की तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है और ये 2027 की शुरुआत में सिनेमाघरों में आने वाली है।

रिपोर्ट के अनुसार, नितेश तिवारी की रामायण के साथ बॉक्स-ऑफिस पर टकराव से बचने के लिए निर्माताओं ने ये फैसला लिया है।

इस देरी से लकड़बग्घा 2 के निर्माताओं को इसे और भी भव्य तरीके से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिलीज करने की योजना बनाने का समय मिल जाएगा। रिलीज की तारीख आगे बढ़ने के बाद भी फिल्म 7 नवंबर, 2026 को बेल्जियम में रेजर रील फ्लैंडर्स फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर होगी।इसका निर्माण फर्स्ट रे फिल्म्स ने किया है और ये लॉस एंजिल्स में अमेरिकन फिल्म मार्केट में अपनी अंतरराष्ट्रीय यात्रा जारी रखेगी।फर्स्ट रे फिल्म्स इस साल नवंबर में भारत के चुनिंदा सिनेमाघरों में लकड़बग्घा को फिर से रिलीज करने वाले हैं।

'गनमास्टर जी-9' का नया गाना 'दो दिन की जिंदगी' जारी, इमरान और जेनेलिया की दिखी रोमांटिक केमिस्ट्री



अभिनेता इमरान हाशमी और अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा की आगामी एक्शन-रोमांचक फिल्म 'गनमास्टर जी-9' का नया गाना 'दो दिन की जिंदगी' जारी कर दिया गया है। हिमेश रेशमिया के संगीत से सजे इस गीत को दर्शकों के लिए यूट्यूब पर जारी किया गया है। गाने में इमरान हाशमी और जेनेलिया के किरदारों के बीच प्रेम और भावनाओं को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है।

इससे कुछ दिन पहले फिल्म का पहला गाना 'अफसाना बनाया आपने' जारी किया गया था, जिसे दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। अब नए गीत 'दो दिन की जिंदगी' के माध्यम से निर्माताओं ने फिल्म के रोमांटिक पक्ष की झलक दिखाई है।

हिमेश रेशमिया मेलोडीज के बैनर तले तैयार इस गाने को विशाल मिश्रा और श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज दी है। इसके बोल जुनैद वसी ने लिखे हैं, जबकि संगीत हिमेश रेशमिया ने तैयार किया है। गीत के दृश्य में इमरान और जेनेलिया के किरदारों के रिश्ते की गहराई और भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाया गया है। इसका संगीत प्रेम की कोमलता, सुकून और भावनाओं की तीव्रता का एहसास कराता है।

फिल्म 'गनमास्टर जी-9' का निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है। यह एक्शन और रोमांच से भरपूर फिल्म है, जो 27 नवंबर 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। दर्शकों को अब फिल्म के प्रदर्शन का इंतजार है।

फिल्म इंडियन 3 का नया पोस्टर जारी, सेनापति फिर लौटेगा जीरो टॉलरेंस के साथ



दिग्गज अभिनेता कमल हासन और मशहूर निर्देशक एस. शंकर की आगामी तमिल एक्शन-थ्रिलर फिल्म इंडियन 3 के निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया। लाइका प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया पर नया पोस्टर शेयर किया और लिखा, सेनापति जीरो टॉलरेंस के साथ वापस आए हैं। इंडियन 3 वॉर मोड में वापसी शुरू होती है। सूत्रों ने बताया कि पोस्ट-प्रोडक्शन का काम अब पूरी रफ्तार से चल रहा है, क्योंकि तीसरे भाग का एक बड़ा हिस्सा दूसरे भाग की शूटिंग के दौरान ही शूट किया गया था। इंडियन फ्रेंचाइजी का पहला भाग इंडियन 1996 में रिलीज हुआ था, जिसमें कमल हासन, मनीषा कोइराला और उर्मिला मातोंडकर मुख्य भूमिकाओं में थे, जिसे दर्शकों की तरफ काफी प्यार मिला था। इसकी सफलता के बाद निर्देशक शंकर और अभिनेता कमल हासन ने फिल्म का सीक्वल बनाने पर विचार किया।

2017 में उन्होंने पहले भाग का सीक्वल इंडियन 2 की घोषणा की, हालांकि इंडियन 2 में काफी देरी हुई और इसके निर्माता इसे 2024 में ही पूरा कर पाए। दरअसल, फिल्म के सेट पर एक हादसे के बाद काम पूरी तरह रुक गया था, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और 10 से ज्यादा घायल हो गए थे। इस दुर्घटना से सभी प्रभावित हुए, जिसके बाद शंकर, लाइका और कमल हासन ने मृतकों के परिवारों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की थी। जब शूटिंग फिर से शुरू करने की कोशिश की गई, तो कोविड आ गया और प्रोजेक्ट को रोकना पड़ा।

ठंड से बचने के लिए पिएं ये 5 पौष्टिक सूप, इन्हें बनाना भी है आसान

सर्दियों में शाम के समय ठंड से बचने के लिए कई लोग गर्मा-गर्म सूप का सेवन करना पसंद करते हैं। सूप न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि इनमें मौजूद प्रोटीन शरीर को गर्माहट देने के साथ कई फायदे भी पहुंचा सकते हैं। आइए आज हम आपको 5 पौष्टिक सूप की रेसिपी बताते हैं, जिनका सेवन ठंड से बचाने के साथ-साथ शरीर की ताकत बढ़ाने में मददगार साबित हो सकता है।



पालक और मूंग दाल का सूप

सबसे पहले पालक और मूंग दाल को अलग-अलग उबाल लें। फिर एक पैन में पालक, मूंग दाल, लहसुन, अदरक, हरी मिर्च और थोड़ा पानी डालकर मिलाएं।

अब इस मिश्रण को ठंडा करके पीसें। इसके बाद इस पेस्ट को पैन में दाल, जीरा, नमक, हल्दी, लाल मिर्च, गरम मसाला और पानी के साथ डालकर अच्छी तरह मिलाएं और इसे 5 मिनट तक पकाएं।

अंत में इसे कटोरी में निकालकर गर्मा-गर्म परोसें।

मिक्स सब्जियों का सूप

सबसे पहले गाजर, खीरा, टमाटर, प्याज, शिमला मिर्च, हरी मिर्च, अदरक और लहसुन को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। फिर एक पैन में सब्जियां, नमक, काली मिर्च, थोड़ा पानी और थोड़ा तेल डालकर मिलाएं।

अब इस मिश्रण को 5 मिनट तक पकाएं और जब सब्जियां नरम हो जाएं तो इसे ठंडा करके पीस लें। अंत में इसे कटोरी में डालकर गर्मा-गर्म परोसें।

इसमें आप अपनी पसंद की कोई भी सब्जी शामिल कर सकते हैं।

टमाटर का सूप

सबसे पहले टमाटर को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें। फिर एक पैन में मक्खन गर्म करके उसमें लहसुन भूनें।

अब इसमें टमाटर, नमक, काली मिर्च और थोड़ा पानी मिलाकर इसे 5 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इस मिश्रण को ठंडा करके पीस लें।

अंत में इस मिश्रण को पैन में दूध और एक चुटकी सोया सॉस के साथ मिलाकर 5 मिनट तक पकाएं। आखिर में इसे कटोरी में डालकर गर्मा-गर्म परोसें।

गाजर का सूप

सबसे पहले गाजर को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें। फिर एक पैन में मक्खन गर्म करके उसमें लहसुन भूनें।

अब इसमें गाजर, नमक, काली मिर्च और थोड़ा पानी मिलाकर इसे 5 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इस मिश्रण को ठंडा करके पीस लें।

अंत में इस मिश्रण को पैन में दूध और एक चुटकी सोया सॉस के साथ मिलाकर 5 मिनट तक पकाएं। आखिर में इसे कटोरी में डालकर गर्मा-गर्म परोसें।

मशरूम का सूप

सबसे पहले मशरूम को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें। फिर एक पैन में मक्खन गर्म करके उसमें लहसुन भूनें।

अब इसमें मशरूम, नमक, काली मिर्च और थोड़ा पानी मिलाकर इसे 5 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इस मिश्रण को ठंडा करके पीस लें।

अंत में इस मिश्रण को पैन में दूध और एक चुटकी सोया सॉस के साथ मिलाकर 5 मिनट तक पकाएं। आखिर में इसे कटोरी में डालकर गर्मा-गर्म परोसें।

क्ले मास्क बनाम शीट मास्क: त्वचा के लिए कौन-सा विकल्प है ज्यादा बेहतर?

त्वचा की देखभाल के लिए मास्क का इस्तेमाल एक लोकप्रिय तरीका है। बाजार में 2 प्रकार के मास्क मौजूद हैं, एक क्ले वाला फेस मास्क और दूसरा शीट मास्क। दोनों के अपने-अपने फायदे और उपयोग हैं। इस लेख में हम इन दोनों मास्क के बीच के अंतर और उनके फायदे-नुकसान पर चर्चा करेंगे, जिससे आप अपनी त्वचा की जरूरत के हिसाब से सही विकल्प चुन सकें। आइए जानते हैं कि दोनों में से कौन-सा मास्क त्वचा के लिए बेहतर है।

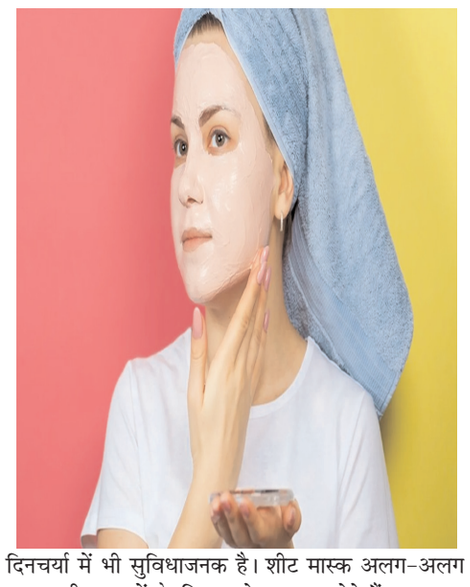
क्ले मास्क के फायदे

क्ले मास्क प्राकृतिक तत्वों से बने होते हैं, जो त्वचा की गहराई तक जाकर उसे साफ और स्वस्थ रखते हैं। ये मास्क त्वचा के अतिरिक्त तेल को सोख लेते हैं, जिससे मुंहासे होने की संभावना कम होती है।इसके अलावा ये मास्क त्वचा की गंदगी और अशुद्धियों को भी हटाते हैं, जिससे त्वचा तरोताजा महसूस करती है। क्ले मास्क में मौजूद खनिज तत्व त्वचा को पोषण देते हैं, जिससे वह निखरी और चमकदार दिखती है।

शीट मास्क के फायदे

शीट मास्क एक प्रकार का पहले से तैयार मास्क होता है, जिसे सीधे चेहरे पर लगाया जाता है। यह त्वचा को तुरंत नमी प्रदान करता है और उसे ताजगी महसूस कराता है।

शीट मास्क में मौजूद नमी देने वाले तत्व त्वचा को मुलायम बनाते हैं और उसकी चमक बढ़ाते हैं। इसे इस्तेमाल करना आसान होता है और यह यात्रा के दौरान या व्यस्त



दिनचर्या में भी सुविधाजनक है। शीट मास्क अलग-अलग प्रकार की जरूरतों के हिसाब से उपलब्ध होते हैं।

दोनों मास्क के बीच का अंतर

क्ले मास्क को लगाने के बाद कुछ मिनट तक सूखने दिया जाता है और फिर इसे धो लिया जाता है। वहीं, शीट मास्क को चेहरे पर लगाने के बाद उतार लिया जाता है, बिना धोने की जरूरत पड़े।इस प्रकार दोनों मास्क का उपयोग करने का तरीका अलग-अलग है। अगर आपकी त्वचा तैलीय है या मुंहासों की समस्या है तो क्ले मास्क बेहतर रहेगा।वहीं, सूखी त्वचा वालों के लिए शीट मास्क सही रहेगा।

क्ले मास्क के नुकसान

क्ले मास्क कुछ लोगों की त्वचा पर जलन या एलर्जी पैदा कर सकते हैं, खासकर संवेदनशील त्वचा वालों के लिए। इसके अलावा अगर सही मात्रा में इस्तेमाल न किया जाए तो यह त्वचा को सुखा भी सकता है।इसके अलावा क्ले मास्क को सूखने में समय लगता है, जो कभी-कभी असुविधाजनक हो सकता है। इस प्रकार क्ले मास्क के कुछ नुकसान भी हैं, जिन्हें ध्यान में रखना जरूरी होता है।

शीट मास्क के नुकसान

शीट मास्क पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकते हैं, क्योंकि ये प्लास्टिक से बने होते हैं और इन्हें फेंकना मुश्किल होता है। इसके अलावा कुछ शीट मास्क में मौजूद रसायन संवेदनशील त्वचा वालों को जलन या एलर्जी पैदा कर सकते हैं।

इस प्रकार दोनों प्रकार के मास्क के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। आपकी त्वचा की जरूरतों के हिसाब से ही सही विकल्प चुनें, ताकि आपको बेहतरीन परिणाम मिल सकें।

००

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 11 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

रिपब्लिकन सांसद मैसी ने रक्षा मंत्री हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव किया पेश

प्रस्ताव में ईरान युद्ध, यमन व वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई में हेगसेथ की भूमिका का किया जिक्र



वाशिंगटन। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के सांसद थॉमस मैसी ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान कराने की पहल की और पार्टी से उन्हें पद से हटाने का आग्रह किया है। हाल में हुए चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की करारी हार के लिए ईरान युद्ध के असर को जिम्मेदार बताया जा रहा है। केंटकी से सांसद मैसी ने मध्यावधि चुनावों के बाद प्रतिनिधि सभा की कार्यवाही के पहले दिन सदन में महाभियोग प्रस्ताव पढ़ा। यह प्रस्ताव मुख्य रूप से ईरान युद्ध पर केंद्रित है, लेकिन इसमें यमन और वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई में हेगसेथ की भूमिका का भी उल्लेख किया गया है। मैसी ने कहा कि हेगसेथ के कृत्य ''गंभीर अपराध और कदाचार'' की श्रेणी में आते हैं। उन्होंने कहा कि हेगसेथ ने ''गैरकानूनी आदेशों को जानबूझकर लागू किया'' और वह ''अब भी संविधान के लिए खतरा बने हुए हैं।'' मैसी के प्रस्ताव पढ़ने के कुछ ही घंटे बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन पर व्यक्तिगत हमला करते हुए उन्हें ''नाकाम व्यक्ति'' बताया और कहा कि ''उनके मन में बहुत नफरत भरी है।'' प्रतिनिधि सभा में सप्ताह के मध्य तक इस प्रस्ताव पर मतदान हो सकता है, लेकिन आगे की प्रक्रिया को लेकर काफी अनिश्चितता है। प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हकीम जेफ्रीज ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। यदि अधिकतर डेमोक्रेटिक सांसद उनका साथ देते हैं, तो हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित कराने के लिए मैसी को रिपब्लिकन पार्टी के केवल कुछ सांसदों के समर्थन की जरूरत होगी। यदि प्रतिनिधि सभा महाभियोग प्रस्ताव पारित करती है, तो इसके बाद सीनेट को यह तय करना होगा कि आरोपों को खारिज किया जाए या उन पर सुनवाई की जाए। जनवरी में डेमोक्रेटिक पार्टी के नियंत्रण वाली नई संसद का कार्यकाल शुरू होने तक संसद के दोनों सदनों में रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत बना रहेगा। सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता चक शूमर ने भी महाभियोग की पहल का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि हेगसेथ के खिलाफ सीनेट में सुनवाई होनी चाहिए। रिपब्लिकन नेताओं ने इस कदम पर नाराजगी जताई। प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने मतदान रोकने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि विदेश में सैन्य संघर्ष जारी रहने के बीच महाभियोग चलाना ''बेहद खराब संदेश देगा।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका के सहयोगियों और दुश्मनों के सामने ऐसा होना बेहद खराब बात होगी। सीनेट में बहुमत के नेता जॉन थूने ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि अभी यह मतदान क्यों कराया जा रहा है। महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान से पहले हेगसेथ ने कहा कि वह ईरान, हूती विद्रोहियों और वेनेजुएला के पूर्व नेतृत्व के खिलाफ ट्रंप प्रशासन की सैन्य कार्रवाइयों का बचाव करने के लिए तैयार हैं।



वाशिंगटन में पुलिस अधिकारी उस स्थल पर पहुंचे जहां एक कार व्हाइट हाउस के करीब बने एक साइडवाक पर चढ़कर एक साइनबोर्ड से टकरा गयी। इसके बाद से ही व्हायइट हाउट लाकडॉउन में रहा।

पियानोवाद अचानक क्रूज शिप से समुद्र में जा गिरा, फिर नौ घंटे तक तैरता रहा

20 मील दूर दो मछुआरों ने बचाई उसकी जान, यूएस कोस्ट गार्ड कर रहा मामले की जांच

कैलिफोर्निय। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में एक क्रूज जहाज से समुद्र में गिरा पियानोवादक करीब नौ घंटे तक पानी में तैरता रहा। न्यूपोर्ट बीच के पास समुद्र में करीब 20 मील दूर उसे दो मछुआरों ने देखा और सुरक्षित अपनी नाव पर खींच लिया। इसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी हालत के बारे में विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन उसके बचने की उम्मीद जताई गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, घटना शुक्रवार तड़के कैलिफोर्निया के न्यूपोर्ट बीच के पास हुई। बचाए गए व्यक्ति की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। उसने मछुआरों को बताया कि वह रॉयल कैरेबियन के 14 डेक वाले क्रूज जहाज 'ओवेशन ऑफ द सीज' में पियानोवादक के तौर पर काम करता है। रिपोर्ट के मुताबिक, सीन नॉर्टन और ग्रांट गैरेट कैटालिना द्वीप के पास मछली पकड़ने के बाद अपनी नाव से लौट रहे थे। दोपहर करीब 12 बजे उनकी नजर समुद्र में एक व्यक्ति पर पड़ी। दोनों ने तत्काल मछली पकड़ने का सामान समेटा और नाव रोककर उसे बाहर निकालने की कोशिश शुरू कर दी। कुछ प्रयास के बाद उन्होंने व्यक्ति को नाव पर खींच लिया। मछुआरों के मुताबिक, व्यक्ति बेहद सदमे में था। होश में आने के बाद उसने उन्हें धन्यवाद दिया और कहा कि उसे लगा था कि वह मरने वाला है। उसे बचाने के बाद दोनों ने समुद्री आपातकालीन सेवा को सूचना दी। इसके बाद न्यूपोर्ट बीच के लाइफगार्ड मौके पर पहुंचे और व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय अधिकारियों का अनुमान है कि वह शुक्रवार तड़के करीब 2:30 बजे जहाज से समुद्र में गिरा होगा। हालांकि, उसके समुद्र में गिरने के समय की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिकी तटरक्षक बल (यूएस कोस्ट गार्ड) यह जांच कर रहा है कि वह क्रूज जहाज से समुद्र में कैसे गिरा।

ईरान शांति वार्ता : रुबियो ने तेहरान की मांगों को बताया अस्वीकार्य और हास्यास्पद

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ईरान के साथ शांति वार्ता ठीक नहीं चल रही है, उन्होंने तेहरान की मांगों को पूरी तरह अस्वीकार्य, आपत्तिजनक और हास्यास्पद बताया। फ्लोरिडा में जी-7 विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए फ्रांस रवाना होने से पहले रुबियो ने कहा कि हम किसी बड़ी सफलता के कगार पर नहीं हैं। उन्होंने जोर दिया कि राष्ट्रपति हमेशा समस्याओं का कूटनीतिक समाधान चाहते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, कभी-कभी ऐसा संभव नहीं होता, क्योंकि ईरान की मांगें वास्तव में व्यावहारिक नहीं थीं। उनकी ये टिप्पणियां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दिए गए बयान के कुछ घंटों बाद आईं, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि यदि दोनों पक्ष वार्ता में प्रगति करते हैं, तब अमेरिका द्वारा ईरान पर हमला करने की बहुत कम संभावना है। कतर और पाकिस्तान की मध्यस्थता में यह वार्ता 3 नवंबर को अमेरिकी चुनाव से पहले शुरू हुई थी। हालांकि, 6 नवंबर को केशम द्वीप पर अमेरिका द्वारा किए गए हमलों के बाद यह ठप हो गई, जिसके बारे में वाशिंगटन ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। इन हमलों से एक दिन पहले, 5 नवंबर को खबर आई थी कि ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर एक प्रस्ताव भेजा है, लेकिन यह प्रस्ताव अमेरिका द्वारा तेहरान की सात माँगें मानने पर निर्भर करता है।

जॉन हैरिसन ने अपने उपन्यास द एंड ऑफ एवरीथिंग के लिए जीता बुकर प्राइज

लंदन। ब्रिटिश साहित्य के जाने-माने लेखक एम जॉन हैरिसन ने अपने उपन्यास द एंड ऑफ एवरीथिंग के लिए प्रतिष्ठित बुकर प्राइज जीता है। 81 साल की उम्र में यह ऐतिहासिक सम्मान पाने के साथ ही हैरिसन बुकर प्राइज के इतिहास में सबसे उम्रदराज विजेता बन गए हैं। लंदन में आयोजित एक भव्य समारोह में उन्हें ट्रॉफी और 50 हजार पाउंड यानी करीब 53 लाख रुपए की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। हैरिसन पिछले करीब छह दशकों से साहित्य सृजन में सक्रिय हैं और वैश्विक स्तर पर गंभीर पाठकों के बीच उनका एक खास मुकाम रहा है।

अंताल्या में सीओपी 31 शिखर सम्मेलन शुरू, पुराने वादों को पूरा करने पर रहेगा जोर

अंकारा। तुर्किये के भूमध्यसागरीय तट पर स्थित अंताल्या शहर में संयुक्त राष्ट्र का 31वां जलवायु शिखर सम्मेलन (सीओपी31) शुरू हो गया है। दुनिया भर के नेता, प्रतिनिधि और जलवायु कार्यकर्ता जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपायों पर विचार-विमर्श करने वाले हैं। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जलवायु कार्रवाई के लिए नई प्रतिबद्धताएं तय करने के साथ-साथ पहले किए गए वादों को हकीकत में बदलना है। यह तब हो रहा है जब पिछले एक साल में वैश्विक तापमान में वृद्धि, यूरोप में जानलेवा लू और नेपाल में विनाशकारी बाढ़ जैसी आपदाओं ने जलवायु परिवर्तन के गंभीर प्रभावों को उजागर किया है। सम्मेलन जटिल भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच आयोजित किया जा रहा है, जिसमें ईरान में चल रहे संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य का करीब बंद हो जाना शामिल है। इस स्थिति ने पेट्रोल, तेल, उर्वरक और कीटनाशक जैसे महत्वपूर्ण उत्पादों की वैश्विक कीमतों में वृद्धि की है, जिससे सरकारों को अपनी अल्पकालिक और दीर्घकालिक ऊर्जा नीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इस संकट ने पवन और सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में निवेश बढ़ाने की अनिवार्यता को भी रेखांकित किया है। यह शिखर सम्मेलन इसलिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि जलवायु वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि 1.5 डिग्री सेल्सियस के पेरिस समझौते के लक्ष्य को पार कर जाएगी। 19वीं सदी की शुरुआत की तुलना में इस सीमा को रोकने का लक्ष्य 2015 में निर्धारित किया गया था, लेकिन ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती करने में दुनिया की विफलता ने इसे अब व्यावहारिक नहीं रहने दिया है। तेल, गैस और कोयले जैसे जीवाश्म ईंधन जलाने से ये गैसें वायुमंडल में पहुंचती हैं और जलवायु परिवर्तन का कारण बनती हैं।

चीन के ताइयुआन में 40 मंजिला इमारत में भीषण आग, 14 की मौत

बीजिंग। चीन के ताइयुआन शहर में एक 40 मंजिला ऊंची इमारत में भीषण आग लगने से कम से कम 14 लोगों की दुखद मौत हो गई, जबकि 25 अन्य घायल हो गए। घायलों में नौ की हालत गंभीर है, जिन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह भयानक घटना तब हुई जब शहर की एक व्यावसायिक और आवासीय दोनों तरह की इस बहुमंजिला इमारत में अचानक आग लग गई। इमारत के निचले हिस्से की चौथी मंजिल के आसपास से शुरू हुई यह आग तेजी से ऊपरी मंजिलों, खासकर आठवीं और नौवीं मंजिल तक फैल गई, जहां एक होटल स्थित था। इस 40 मंजिला इमारत में कई होटल, अल्पकालिक किराए पर दिए जाने वाले अपार्टमेंट, छोटे आयोजन स्थल और विभिन्न कोचिंग सेंटर संचालित होते थे, जिससे इसमें हमेशा लोगों की आवाजाही बनी रहती थी। आग इतनी भीषण थी कि सामने आए वीडियो में पूरी 40 मंजिला इमारत से घना धुआं निकलता साफ देखा जा सकता है। दमकलकर्मी क्रेन की मदद से आग पर काबू पाने की भरसक कोशिश करते नजर आए, जो निचले हिस्से से ऊपर की ओर फैल रही थी। लगभग दो घंटे की अथक मशक्कत के बाद आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि रविवार रात 8:30 बजे तक बचाव अभियान पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया था।

हूतियों ने दी विदेशी कंपनियों, कर्मचारियों को तुरंत इलाका खाली करने की चेतावनी



रियाद। सऊदी के तमाम इलाकों को खाली करने के लिए हूतियों ने चेतावनी दे दी है। मिडिल ईस्ट की जंग अब एक ऐसे खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है जहां से वापसी का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है। हूतियों की इस चेतावनी ने रियाद से लेकर वाशिंगटन तक के रक्षा मुख्यालयों में सनसनी पैदा कर दी है। यमन के अंसरुल्लाह यानी हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब में मौजूद तमाम विदेशी कंपनियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को तुरंत इलाका खाली करने की अंतिम हिदायत दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यमन की सैन्य कमान ने साफ कर दिया है कि रियाद, जिद्दा और पूर्वी प्रांत के जिन-जिन रक्षा, आर्थिक और औद्योगिक प्रतिष्ठानों पर हमले का टारगेट सेट किया गया है, वहां काम कर रहे लोग अपनी जान बचाने तुरंत वहां से चले जाएं, क्योंकि इस बार हमला ऐसा होगा जिसकी मिसाल इतिहास में नहीं मिलेगी। हूतियों के आधिकारिक बयान को ने कॉर्पोरेट दुनिया की नींदें उड़ा दी हैं। यमन के रक्षा मंत्रालय से जुड़े सैन्य सूत्रों ने सार्वजनिक एडवाइज़री जारी करते हुए कहा है हम सऊदी अरब के अंदर यमनी सेना द्वारा चिन्हित किए गए परिसरों में मौजूद सभी कर्मचारियों और आम नागरिकों को सावधान करते हैं कि वे तुरंत उन जगहों से निकल जाए ताकि वे हमारे आने वाले बारूदी तूफान का शिकार ना बने। यह चेतावनी कोई मामूली गीदड़ भभकी नहीं। यह इस बात का ऐलान है कि यमन की सेना सऊदी अरब की आर्थिक रीड यानी तेल ठिकानों और रणनीतिक इमारतों को मलबे के ढेर में तब्दील करने जा रही है, लेकिन इस बार हूतियों की रणनीति सिर्फ मिसाइलें दागने तक सीमित नहीं। उन्होंने एक ऐसा कूटनीतिक चक्रव्यूह रचा जिसने सऊदी क्राउन प्रिंस के वि?न 2030 की धज्जियां उड़ाकर रख दी। सना की सरकार ने सऊदी में काम कर रही बहुराष्ट्रीय कंपनियों को सीधा ऑफर दिया है। उन्होंने कहा है कि जो भी विदेशी कंपनियां सऊदी अरब से अपना कारोबार समेटना चाहती हैं, उन्हें यमन की सेना पूरा सेफ पैसेज यानी सुरक्षित निकास मुहैया कराएगी। अगर किसी कंपनी ने यमन की राजधानी सना के अधिकारियों को सूचित कर दिया कि वे सऊदी से अपना बोरिया बिस्तर समेट रहे हैं तो उनके सभी एसेट्स, मशीनों और पूंजी को सुरक्षित बाहर निकालने में यमनी सेना खुद मदद करेगी। बयान में साफ कहा गया जिन देशों ने यमन के खिलाफ किसी भी सैन्य गठबंधन या बमबारी में हिस्सा नहीं लिया उनकी कंपनियों को बिल्कुल निशाना नहीं बनाया जाएगा। बशर्ते उन कंपनियों को सऊदी अरब के अंदर अपने प्लांट और ठिकानों की सटीक लोकेशन सना के रक्षा विभाग को देनी होगी। अगर वे लोकेशन साझा करते हैं तो उन्हें हर तरह के मिसाइल और ड्रोन हमलों से पूरी तरह सुरक्षा दी जाएगी। यमन से जारी इस खतरनाक चेतावनी के बाद रियाद, जिद्दा और दम के औद्योगिक गलियारों में घबराहट पैदा हो गई है।

तीन टैंकरों में धमाका, ईरान ने नौसैनिक माइंस से टकराने का दावा किया

तेहरान। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री तेल मार्गों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य में एक बार फिर तनावपूर्ण स्थिति बन गई है। रविवार तड़के एक और तेल टैंकर में विस्फोट के बाद आग लगने की घटना सामने आई, जिसके बाद इस समुद्री क्षेत्र में ऐसे मामलों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नौसेना ने दावा किया है कि तीनों जहाज नौसैनिक बारूदी सुरंगों (माइंस) की चपेट में आए थे, जिससे इनमें विस्फोट और आग लगी। ईरान के मुताबिक, ये जहाज अपने नेविगेशन और पहचान संबंधी सिस्टम बंद करके अनधिकृत समुद्री रास्तों से गुजरने की कोशिश कर रहे थे। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नौसेना ने अपने आधिकारिक सूचना पोर्टल पर जारी बयान में बताया कि माइंस से टकराने के बाद जहाजों में विस्फोट हुआ और आग लग गई, जिसके कारण समुद्री क्षेत्र के ऊपर धुएं का गुबार फैल गया। रविवार सुबह एक अन्य तेल टैंकर में विस्फोट और आग लगने की सूचना मिलने के बाद समुद्री मार्ग की सुरक्षा को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारत एक चुनौती, पाकिस्तान के लोग आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट हों

इस्लामाबाद मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज मोहम्मद सईद के बेटे हाफिज तल्हा सईद ने पाकिस्तान में भारत के खिलाफ भड़काऊ बयान दिए हैं। उसने भारत को एक बड़ी चुनौती बताते हुए पाकिस्तानी जनता से एकजुट होने की अपील की। पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग के मंच से बोलते हुए तल्हा सईद ने पाकिस्तान आंदोलन और मुस्लिम एकता का जिक्र किया। उसने दावा किया कि जिस तरह आजादी से पहले मुस्लिम लीग ने बिखरे हुए मुसलमानों को एकजुट किया था, उसी तरह उसकी पार्टी आज पाकिस्तान की जनता को एक मंच पर ला सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तल्हा सईद ने पीएमएमएल को उसी मुस्लिम लीग की अगली कड़ी बताया जिसने पाकिस्तान को बनाया था। उसने भारत को पाकिस्तान के सामने एक चुनौती के तौर पर पेश किया और कहा कि देश के लोगों को आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होना चाहिए। जानकारों के मुताबिक तल्हा सईद का दावा था कि मौजूदा समय में पाकिस्तान की जनता बिखरी हुई और अव्यवस्थित है, लेकिन पीएमएमएल उसे एक मजबूत पाकिस्तानी राष्ट्र में बदल सकती है। उसने आजादी से पहले के दौर का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय मुस्लिम लीग ने अलग-अलग जगहों पर बंटे मुसलमानों को एक राजनीतिक पहचान दी थी। अब पाकिस्तान को भी ऐसी ही एकजुटता की जरूरत है। तल्हा सईद ने अपने भाषण में पाकिस्तान को पूरी मुस्लिम दुनिया का रक्षक बताने की भी कोशिश की। उसने दावा किया कि दुनिया भर के मुसलमान पाकिस्तान की ओर उम्मीद से देखते हैं। उसने कहा कि पाकिस्तान मुस्लिम उम्मा का रक्षक है। पाकिस्तान दो पवित्र मस्जिदों का रक्षक है। पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग कहने को एक राजनीतिक दल है, लेकिन यह एक आतंकी संगठन है। इसमें शामिल लोगों के तार हाफिज सईद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हैं। भारत सरकार ने तल्हा सईद को व्यक्तिगत आतंकवादी घोषित किया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय की अधिसूचना में उसे लश्कर-ए-तैयबा का वरिष्ठ नेता और संगठन की धार्मिक शाखा का प्रमुख बताया गया था। भारत सरकार ने उस पर संगठन के लिए लोगों की भर्ती करने, फंड जुटाने और भारत के साथ-साथ अफगानिस्तान में भारतीय हितों को निशाना बनाने वाले हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने में शामिल होने के आरोप लगाए हैं। अपने भाषण के जरिए उसने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह भारत के लिए खतरा है।

इजरायल में नेतन्याहू के बिना बनेगी नई सरकार आइजेनकोट ने बताया किसे कौन सा पद

तेलअवीव। इजरायल में बेंजामिन नेतन्याहू को सत्ता से बाहर रखने की कोशिश कर रहे विपक्षी गठबंधन ने सरकार गठन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। गठबंधन के पांच प्रमुख नेताओं ने 26वीं नेसेट यानी इजरायली संसद के अहम पदों के बंटवारे पर सहमति बना ली है। संभावित प्रधानमंत्री गादी आइजेनकोट ने इसकी जानकारी देकर बताया कि किस नेता को कौन सी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इस समझौते में गादी आइजेनकोट के अलावा नफ्ताली बेनेट, यायर गोलान, एविग्डोर लिबरमैन और यायर लैपिड शामिल हैं। संयुक्त बयान के मुताबिक, यशर पार्टी के सांसद बनने जा रहे पूर्व मंत्री मटन कहाना को नेसेट का अगला स्पीकर बनाने पर सहमति बनी है। वहीं, पूर्व रक्षा मंत्री एविग्डोर लिबरमैन विदेश और रक्षा मामलों की महत्वपूर्ण समिति के अध्यक्ष बनाया जाएगा। इसके अलावा नफ्ताली बेनेट की पार्टी के नए सांसद लिरान अविशार बेन-होरिन को वित्त समिति की जिम्मेदारी मिलेगी। रॉय फोल्कमैन को हाउस कमेटी का अध्यक्ष बनाया जाएगा, जो संसद के कामकाज और प्रशासनिक मामलों को संभालेगी। आइजेनकोट ने बताया कि गठबंधन के सहयोगियों के साथ अहम संसदीय पदों के लिए उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए गए हैं। समितियों की संरचना को इस सप्ताह हाउस कमेटी की बैठकों में अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके बाद बुधवार को नेसेट के पूर्ण सत्र में प्रस्ताव मंजूरी के लिए पेश किए जाएंगे। गठबंधन कुछ विशेष समितियों के गठन पर भी विचार कर रहा है। दरअसल, संसद के स्पीकर पद को लेकर गठबंधन में कई दिनों से मतभेद थे। बेनेट और लिबरमैन इस पद के लिए यायर लैपिड का समर्थन कर रहे थे, जबकि आइजेनकोट अपनी पार्टी के पास रखना चाहते थे। आखिरकार आपसी बातचीत से सहमति बनी।

अमेरिकी सीनेट ने डेटा सेंटर और ऊर्जा परियोजनाओं की मंजूरी देने का बिल आगे बढ़ाया

वाशिंगटन। अमेरिकी उच्च सदन 'सीनेट' ने सोमवार को एक द्विदलीय विधेयक को आगे बढ़ाया, जिसका उद्देश्य डेटा सेंटर और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की मंजूरी देने के लिए आवश्यक समीक्षाओं की प्रक्रिया तेज करना है। पिछले हफ्ते हुए मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन नेताओं को शिकस्त मिलने के बाद यह सीनेट का पहला बड़ा कदम है। सीनेट में इस विधेयक पर औपचारिक रूप से विचार करने के पक्ष में 73 वोट जबकि विरोध में 25 वोट पड़े। सांसदों और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस विधेयक का समर्थन करते हुए कहा है कि इससे बिजली और ऊर्जा के अन्य स्रोतों की बढ़ती मांग पूरी करने में मदद मिलेगी। विधेयक में प्रस्तावित व्यापक बदलावों से स्वच्छ ऊर्जा या जीवाश्म ईंधन से जुड़ी बड़ी ऊर्जा परियोजनाओं को शुरू करने की समय-सीमा कम हो जाएगी। साथ ही यह भी तय किया जाएगा कि डेटा सेंटर अपनी खपत के मुताबिक ऊर्जा की कीमत चुकाएं। एआई से जुड़े डेटा सेंटर और बिजली की बढ़ती कीमतों को लेकर लोगों में काफी नाराजगी है। इसी वजह से कई डेमोक्रेट नेता सामने आए हैं जिन्होंने इन विशाल और अत्यधिक ऊर्जा खपत करने वाले ढांचों पर लगाम लगाने का वादा किया है। ट्रंप ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए सांसदों से इस विधेयक के पक्ष में वोट करने की अपील की। उन्होंने इसे अमेरिकी ऊर्जा स्वतंत्रता और वर्चस्व के लिए एक बड़ी जीत करार दिया। ट्रंप ने लिखा- यह विधेयक ''पाइपलाइन, खदानों और बिजली संयंत्रों के निर्माण की प्रक्रिया को पहले से कहीं ज्यादा तेज करेगा, जिससे अमेरिकी परिवारों के लिए ऊर्जा की लागत कम होगी। स्वच्छ ऊर्जा और तेल एवं गैस क्षेत्र में परियोजनाओं के विकास से जुड़े प्रमुख उद्योग संगठनों ने भी विधेयक का समर्थन किया। हालांकि, कई पर्यावरण संगठनों ने इस समझौते की कड़ी आलोचना की है।

पोलैंड में सरेआम गोलियां बरसाकर छह लोगों की जान लेने वाले हमलवार की मौत

क्राको। पोलैंड के क्राको शहर में सरेआम गोलियां बरसाकर छह लोगों की जान लेने वाले 24 साल के हमलावर की भी मौत हो गई है। पुलिस के मुताबिक अस्पताल में उसने दम तोड़ दिया। हमले में पुलिस ने उसे रोकने के लिए गोली मारी थी, जिसके बाद उसकी हालत गंभीर हो गई। उसका इलाज चला और कई ऑपरेशन भी किए गए, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इस हमले में छह लोगों की मौत हुई थी, जबकि 15 अन्य घायल हुए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह वारदात पोलैंड के दूसरे सबसे बड़े शहर क्राको के पुराने इलाके में स्थित एक प्रमुख चौक पर हुई थी। यह जगह पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है और हर साल बड़ी संख्या में लोग यहां घूमने आते हैं। शनिवार को हमलावर अपनी गाड़ी लेकर चौक के बीच पहुंचा और वहां गोलीबारी कर दी थी। अचानक हुई इस घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हमले की जांच के दौरान पुलिस को एक और चौंकाने वाली जानकारी मिली। अधिकारियों को हमलावर के घर से उसकी बहन, मां और पिता के शव भी मिले हैं। यह घर क्राको से करीब 150 किलोमीटर दूर ओस्त्रोविएक श्विएंतोक्र्जस्की शहर में है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक तीनों की मौत गोली लगने से हुई होगी। हालांकि, परिवार के सदस्यों की मौत किन परिस्थितियों में हुई और इसका क्राको में हुए हमले से क्या संबंध है, इसकी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या हमलावर ने पहले अपने परिजनों को मारा और उसके बाद हमला किया। पोलैंड के गृह मंत्री ने हमले के दिन कहा था कि आरोपी दक्षिणपंथी विचारधाराओं से प्रभावित था। उसके विचार बेहद कट्टर और अति-राष्ट्रवादी थे।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 11 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

खेल संबंधों के 100 साल पूरे होने पर हॉकी सीरीज खेलने न्यूजीलैंड जाएगी भारतीय टीम



नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल संबंधों के 100 साल पूरे होने के अवसर पर इसी माह दोनो ही टीमों के बीच एक सीरीज खेली जाएगी। दोने टीमें तीन मैच खेलेंगी। इसके लिए हॉकी इंडिया ने 20 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी डिफेंडर संजय को दी गयी है। भारतीय टीम इस दौरे के तहत 15 से 23 नवंबर तक न्यूजीलैंड में ही रहेगी, इस दौरान सभी तीन मुकाबले ऑकलैंड के लॉयड एल्समोर हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह सीरीज भारतीय हॉकी के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इससे युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित करने का एक अच्छा अवसर मिलेगा। भारतीय टीम में अंडर-21 खिलाड़ियों के साथ-साथ भारत ए के कई उभरते खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। इससे आने वाले समय के लिए एक मजबूत बेंच स्ट्रेंथ भी तैयार होगी। भारतीय टीम के कप्तान बने संजय ने पेरिस ओलंपिक में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया था और अब उन्हें युवा टीम की कमान सौंपी गयी है। उनकी कप्तानी में टीम न्यूजीलैंड की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है, जिसका उद्देश्य सिर्फ जीत हासिल करना ही नहीं, बल्कि खिलाड़ियों को बड़े मंच पर अनुभव देना भी है। टीम में दो गोलकीपर, डिफेंडर, मिडफील्डर और फॉरवर्ड सहित विभिन्न विभागों के खिलाड़ी शामिल हैं, जो टीम को संतुलित और मजबूत बनाते हैं। यह दौरा केवल एक खेल सीरीज से कहीं अधिक है; यह भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल संबंधों की एक सदी पूरी होने का ऐतिहासिक अवसर है। साल 1926 में महान भारतीय सेना की हॉकी टीम न्यूजीलैंड का दौरा करने वाली किसी भी खेल में पहली भारतीय टीम बनी थी थी। अब, लगभग 100 साल बाद भारतीय टीम न्यूजीलैंड जा रही है। सीरीज का पहला मैच 19 नवंबर को भारतीय समयानुसार सुबह 11:00 बजे खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मैच 21 नवंबर को सुबह 8:30 बजे और तीसरा व अंतिम मुकाबला 22 नवंबर को सुबह 6:30 बजे होगा। ये सभी मैच ऑकलैंड के लॉयड एल्समोर हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे, जिससे प्रशंसकों को रोमांचक और उच्च-स्तरीय हॉकी देखने का मौका मिलेगा। इस दौर से भारतीय टीम के युवाखिलाड़ियों का कौशल निखारने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने में संहायता मिलेगी।

भारतीय टीम

गोलकीपर- मोहित एचएस, पवन

डिफेंडर- तालेम प्रियबर्ता, संजय (कप्तान), नीलम संजीप एक्सेस, शारदा नंद तिवारी, अनमोल एक्का, यशदीप सिवाच

मिडफील्डर- अंगद बीर सिंह, आदित्य अर्जुन लालगे, रबीचंद्र सिंह, विष्णुकांत सिंह, मनमीत सिंह, रोसन कुजूर, वेंकटेश केंचे

फॉरवर्ड- अजीत यादव, उत्तम सिंह, कार्थी सेल्वम, अर्शदीप सिंह, अरिजीत सिंह हुंडल।

साल 2028 से आईपीएल में शामिल की जा सकती हैं दो नई टीमे

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) साल 2028 के इंडियन प्रीमियर लीग से दो और टीमों को शामिल कर सकता है। इससे टीमों की संख्या बढ़कर 12 हो सकती है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड की अगर ये योजना साकार होती है, तो आईपीएल में खेलने वाली टीमों की कुल संख्या 10 से बढ़कर 12 पहुंच जाएगी, जो लीग के वैश्विक कद और वित्तीय प्रभाव को और बढ़ा देगी। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि यह विस्तार आईपीएल के अगले मीडिया राइट्स चक्र, यानी साल 2028 से 2032 के बीच हो सकता है। शुरुआती चर्चा में वडोदरा और पुणे जैसे शहर संभावित मेजबान के रूप में उभरे हैं, हालांकि मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि बातचीत अभी अपने शुरुआती चरण में है और शहरों का अंतिम चयन अभी नहीं हुआ है। इसका मतलब है कि भविष्य में ये संभावित शहर बदल भी सकते हैं। इस प्रस्तावित विस्तार के पीछे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बिजनेस समूहों व निवेश फर्मों की बढ़ती दिलचस्पी एक प्रमुख कारण है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्येक नई फ्रेंचाइजी का मूल्यांकन 1 अरब डॉलर से अधिक होने का अनुमान है, जो आईपीएल की अद्वितीय ब्रांड वैल्यू को दर्शाता है। संभावित निवेशकों की सूची में प्राइवेट इक्विटी फर्म परमीरा, पश्चिम एशिया के सॉवरेन वेल्थ फंड, अमेरिका स्थित फैमिली ऑफिस, एशिया की सरकारी निवेश संस्थाएं, भारत के बड़े बिजनेस ग्रुप और यहां तक कि अत्यधिक संपत्ति वाले व्यक्ति भी शामिल हैं। इनमें से कई समूह और व्यक्ति इन प्रस्तावित टीमों में कुछ हिस्सेदारी खरीदने पर भी विचार कर रहे हैं। पुणे के लिए यह आईपीएल से जुड़ा पहला अनुभव नहीं होगा। शहर पहले भी दो आईपीएल फ्रेंचाइजियों की मेजबानी कर चुका है- 2011 से 2013 तक सहारा ग्रुप के स्वामित्व वाली पुणे वॉरियर्स इंडिया और फिर 2016 तथा 2017 में राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स का होम ग्राउंड रहा था। यह विस्तार तब हो रहा है जब आईपीएल पहले ही अपनी टीमों की संख्या में वृद्धि देख चुका है। 2021 तक जहां लीग में 8 टीमें खेल रही थीं, वहीं 2022 में गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के जुड़ने से कुल टीमों की संख्या 10 हो गई थी।

प्रधानमंत्री ने देश के 100वां ग्रैंडमास्टर बने अनुज को बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 साल के अनुज श्रीवात्री को भारत का 100वां शतरंज ग्रैंडमास्ट बनने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने अनुज की इस उपलब्धि पर प्रशंसा करते सोशल मीडिया पर लिखा, भारत ने शतरंज में शतक पूरा किया है। अब देश में 100 ग्रैंडमास्टर्स हो गये है। भारत के 100वें शतरंज ग्रैंडमास्टर बनने पर अनुज को बधाई। यह कितनी शानदार उपलब्धि है। उन्होंने लिखा, भारत के लिए 100 ग्रैंडमास्टर्स तक पहुंचना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है जो हमारे खिलाड़ियों की जबरदस्त प्रतिभा, समर्पण और कड़ी मेहनत के साथ-साथ हमारे युवाओं में शतरंज के प्रति बढ़ती लोकप्रियता को दिखाता है। प्रधानमंत्री ने लिखा, देश के अलग-अलग हिस्सों से युवा शतरंज प्रतिभाओं को उभरते हुए और वैश्विक स्टेज पर अपनी पहचान बनाते हुए देखना खास खुशी की बात है। उम्मीद है कि यह उपलब्धि और भी कई युवाओं को शतरंज में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के रहने वाले अनुज श्रीवात्री रविवार को फिलीपींस में 7वीं आसियान प्लस टूर्नामेंट में जीत के साथ ही भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर बने। अनुज की टूर्नामेंट में शुरुआत हालांकि निराशाजनक रही। वो प्रतियोगिता में अपनी पहली बाजी हार गए थे। उसके बाद उन्होंने शानदार और दमदार प्रदर्शन करते हुए संभावित आठ में से सात अंक हासिल किए और खिताब जीता।गौरतलब है कि भारत की ओर से पहले ग्रैंडमास्टर बने विश्वनाथन आनंद थे ने भी इस उपलब्धि पर अनुज को बधाई दी है।

आर्यवीर सहवाग के शतक से भारतीय अंडर-19 टीम ने एशिया कप में बनाये 7 विकेट पर 309 रन

मस्कट। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग के शानदार शतक से भारतीय टीम अंडर-19 एशिया कप 2026 में यूएई के खिलाफ मुकाबले में बनी हुई है। इस अहम मैच में आर्यवीर ने दबाव के बीच ही शतक लगाकर भारतीय टीम की टूर्नामेंट में उम्मीदों को बनाये रखा है। इस मैच में हार का मतलब टूर्नामेंट से बाहर होना है। ऐसे में आर्यवीर का शतक भारत के लिए अहम माना जा रहा है। मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 309 रन बनाए। इसमें आर्यवीर सहवाग की 160 रनों की पारी का मुख्य योगदान रहा इस मैच में सलामी बल्लेबाज के तौर पर क्रीज पर उतरे आर्यवीर ने 131 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। अपनी इस पारी में इस बल्लेबाज ने 13 बेहतरीन चौके और 2 छक्के लगाये। टीम का पहला विकेट 62 रन पर गिरा जब कप्तान लक्ष्य राजेश रायचंदानी 17 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। ऐसे कठिन हालातों में भी आर्यवीर जमे रहे। उन्होंने विकेट हालातों के अनुरूप खेलते हुए अपनी पारी को आगे बढ़ाया, जिससे टीम एक मजबूत स्कोर की ओर बढ़ सके। यह मुकाबला अंडर-19 टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज का भारत के लिए तीसरा और अंतिम मैच है। शुरुआती दो मैचों में टीम इंडिया ने एक में जीत दर्ज की है, जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा है। इस प्रदर्शन के साथ टीम 2 अंकोंके साथ अंक तालिका में दूसरे पायदान पर है। यूएई के पास भी 2 अंक हैं, लेकिन बेहतर नेट रन रेट के चलते भारतीय टीम उनसे आगे है। ग्रुप में शीर्ष पर मौजूद पाकिस्तान ने पहले ही अगले चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया है, और अब दूसरे क्वालीफिकेशन स्पॉट के लिए भारत और यूएई के बीच कड़ी टक्कर है। इस निर्णायक मुकाबले को जीतने वाली टीम 4 प्वाइंट्स के साथ अगले राउंड में प्रवेश कर लेगी, जिससे इस मैच का महत्व और भी बढ़ जाता है। टूर्नामेंट में आर्यवीर ने इससे पहले 06 नवंबर को नेपाल के खिलाफ हुए मुकाबले में उन्होंने नाबाद 70 रनों की शानदार पारी खेली थी। पाकिस्तान के खिलाफ अगले मैच में वह सिर्फ 22 रन बनाकर आउट हो गए थे, लेकिन यूएई के खिलाफ यह शतक यह साबित करता है कि वे बड़े मुकाबलों में दबाव को संभालने की क्षमता रखते हैं।

अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज रहमान के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड

शारजाह। जिम्बाब्वे के खिलाफ शारजाह में खेले गए पहले टेस्ट मैच में अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज जिया-उर-रहमान के नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हुआ है जिसे वह भूलना चाहेंगे। इस मैच में रहमान ने अपनी गेंदबाजी के दौरान कुल 343 रन दिये और वह 149 साल के टेस्ट इतिहास के पहले ऐसे गेंदबाज बन गए, जिन्होंने एक ही टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 150 या उससे अधिक रन दिए हैं। 28 रहमान ने इस ऐतिहासिक मैच में कुल चार विकेट लिए। उन्होंने पहली पारी में 170 रन देकर दो विकेट लिए, जिसके बाद दूसरी पारी में भी उन्होंने 173 रन देकर दो विकेट लिए। इस तरह, अफगानिस्तान के लिए अपना छठा टेस्ट मैच खेल रहे रहमान ने कुल 343 रन देकर सभी को हैरान कर दिया। गौरतलब है कि टेस्ट क्रिकेट का पहला मैच 1877 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुआ था तब से लेकर आज तक, किसी भी गेंदबाज ने एक टेस्ट की दोनों पारियों में 150 या उससे अधिक रन नहीं दिए थे।. वहीं रहमान 343 रन देकर एक अनचाहे क्लब का हिस्सा बन गये हैं। वहीं टेस्ट मैच की एक पारी में सबसे महंगे गेंदबाजी आंकड़ों का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज चक फ्लीटवुड-स्मिथ के नाम है, जिन्होंने अगस्त 1938 में द ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ एक पारी में 87 ओवर फेंकते हुए 298 रन खर्च किए थे. इसके बाद अगस्त 1997 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ भारत के राजेश चौहान ने 78 ओवरों में 276 रन दिए थे. हालांकि, इन व्यक्तिगत पारी के आंकड़ों से अलग, जिया-उर-रहमान का रिकॉर्ड दोनों पारियों में अत्यधिक रन देने का है, जो किसी के नाम नहीं है। उन्होंने इस मैच में तीसरा सबसे महंगा गेंदबाजी स्पेल भी किया। इस सूची में सबसे ऊपर वेस्टइंडीज के महान गेंदबाज टॉमी स्कॉट हैं, जिन्होंने 1930 में किंग्स्टन में इंग्लैंड के खिलाफ एक मैच में रिकॉर्ड 374 रन दिए थे. दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के जेसन क्रेजा हैं, जिन्होंने 2008 में नागपुर में भारत के खिलाफ 358 रन लुटाए थे।



सेनेगल में युवा ओलंपिक खेलों में चीन की वांग यूजी महिलाओं के प्रीमिनलरी राउंड में किक लगाती हुई।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

दिवाली पर ग्राहकों ने क्रिक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर की ताबड़तोड़ खरीदारी

नई दिल्ली। इस दिवाली पारंपरिक बाजारों की भीड़ से बचकर लोगों ने घर बैठे त्योहार की खरीदारी को प्राथमिकता दी। क्रिक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने इस साल दिवाली पर शानदार कारोबार दर्ज किया, जो ग्राहकों की अंतिम समय की जरूरतों को पूरा करने में सफल रहे। स्विगी इंस्टामार्ट और जेप्टो जैसे प्लेटफॉर्म्स पर मिठाइयों से लेकर सजावट के सामान तक की खूब बिक्री हुई, जिससे ऑनलाइन डिलीवरी का महत्व रोजमर्रा की जरूरतों से कहीं आगे निकल गया है। जेप्टो के आंकड़ों के अनुसार, इस दिवाली फेस्टिव हैम्पर के ऑर्डरों में पिछले साल के मुकाबले तीन गुना वृद्धि हुई। ग्राहकों ने लगभग 4.68 लाख दीयों का ऑर्डर दिया, जबकि फूलों और मालाओं की मांग ढाई गुना बढ़ी। मिठाइयों में लड्डू ने ऑर्डर संख्या में बढ़त बनाई, वहीं कुल मात्रा के लिहाज से सोन पापड़ी सबसे आगे रही। स्विगी इंस्टामार्ट पर भी खरीदारी में अच्छी तेजी दिखी, जहां पार्टी की तैयारी के सामान में सालाना आधार पर 162 फीसदी और स्नैक्स की मांग में 42 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मिठाइयों में काजू कतली ग्राहकों की पहली पसंद बनी रही। दिलचस्प बात यह है कि दिवाली की शाम डाइट कोक इंस्टामार्ट पर सबसे ज्यादा बिकने वाला गैर-किराने का उत्पाद रहा। सिर्फ मिठाई और सजावट ही नहीं, धनतेरस पर क्रिक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से लक्ष्मी-गणेश डिजाइन वाले चांदी और सोने के सिक्के भी खूब खरीदे गए, जिसमें मुंबई में 1.11 लाख रुपए का सबसे बड़ा फेस्टिव शॉपिंग ऑर्डर दर्ज किया गया। यह दर्शाता है कि त्योहारी खरीदारी का तरीका अब पूरी तरह बदल रहा है और क्रिक कॉमर्स का महत्व लगातार बढ़ रहा है।

कच्चे तेल में गिरावट से बॉन्ड यील्ड लुढ़की, आरबीआई को मिलेगी राहत

नई दिल्ली। भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी और कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट के चलते भारतीय बॉन्ड बाजार में रौनक लौट आई। बेंचमार्क 10 वर्षीय सरकारी बॉन्ड की यील्ड लगभग 4 आधार अंक गिरकर 7.15 फीसदी पर बंद हुई, जबकि शुक्रवार को यह 7.19 फीसदी पर थी। डीलरों के मुताबिक, यह तेजी मुख्य रूप से ब्रेंट क्रूड की कीमतों में आई भारी गिरावट के कारण देखी गई। कच्चे तेल की कीमतों में इस नरमी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के लिए आगामी बैठक में ब्याज दरों को यथास्थिति पर बनाए रखने की संभावना बढ़ा दी है। विश्लेषकों का मानना है कि दिसंबर की मौद्रिक नीति को लेकर बाजार की उम्मीदें बदल गई हैं। अब 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी के बजाय 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी या यथास्थिति बनाए रखने की प्रबल संभावना है। कुल मिलाकर, तेल की कीमतों में नरमी, भू-राजनीतिक जोखिम प्रीमियम में कमी और मौद्रिक नीति को लेकर बदली उम्मीदें बाजार के रुझान को धीरे-धीरे सकारात्मक दिशा में ले जा रही हैं। पिछले हफ्ते भी बेंचमार्क यील्ड में 23 आधार अंक की गिरावट आई थी, जो लगभग सात वर्षों में सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट थी। यह अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद अमेरिका-ईरान संघर्ष के समाधान की उम्मीदों से जुड़ी थी। हालांकि, सकारात्मक बाजार रुझानों के बीच भारतीय रुपये में सोमवार को मामूली गिरावट दर्ज की गई। डॉलर के मुकाबले 94.83 पर खुलने के बाद, रुपया दिन के दौरान कमजोर होकर 94.14 तक आ गया, और अंततः 94.93 पर बंद हुआ, जबकि पिछली बार यह 93.91 पर बंद हुआ था। जानकारों ने बताया कि यह रुपये की पांच दिनों की लगातार बढ़त का तकनीकी अंत था, जिसमें छुट्टी से पहले सरकारी बैंकों द्वारा डॉलर की खरीदारी भी एक कारण रही। सुबह डॉलर इंडेक्स में नरमी, विदेशी संस्थागत निवेशकों के मजबूत निवेश और कच्चे तेल की कीमतों में कमी के कारण रुपये में तेजी आई थी, लेकिन बाद में इसने अपना कुछ लाभ खो दिया।

एनवीडिया सीईओ चीनी एफबीआई जांच के घेरे में, ट्रंप का मिला समर्थन

राष्ट्रपति ट्रंप ने किया हुआंग का बचाव, राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंताएं



नई दिल्ली। अमेरिकी चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसन हुआंग से जुड़ा विवाद गहरा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की है कि संघीय जांच एजेंसी एफबीआई हुआंग के एक कथित चीनी जासूस से संबंधों के मामले की जांच कर रही है। हालांकि, ट्रंप ने हुआंग का समर्थन करते हुए कहा है कि उन्हें इस मामले में ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है, जिससे इस हाई-प्रोफाइल मामले में नया मोड़ आ गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि एफबीआई एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग के कथित चीनी जासूस से संबंधों के मामले की जांच कर रही है। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने खुद हुआंग से फोन पर बात की है और उन्हें विश्वास है कि हुआंग इस मामले से बिना किसी बड़ी परेशानी के बाहर निकल आएंगे। उन्होंने हुआंग को एक सम्मानित व्यक्ति बताते हुए कहा कि हुआंग ने उनसे कहा कि उन्हें इस बात की बिल्कुल जानकारी नहीं थी कि जिस महिला के साथ उनके विवाहेतर संबंध थे, वह कथित तौर पर चीन के लिए जासूसी कर रही थी। ट्रंप ने हुआंग की बात पर भरोसा जताया है। दरअसल, जेनसन हुआंग के एक चीनी कारोबारी महिला के साथ विवाहेतर संबंधों की खबर सामने आई थी। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया था कि वह संबंधित महिला चीन के लिए सूचनाएं जुटा रही थी। हुआंग ने विवाहेतर संबंध होने की बात स्वीकार की है, लेकिन उन्होंने जासूसी गतिविधियों की जानकारी होने से इनकार किया है। एफबीआई के अलावा एनवीडिया ने भी मामले की स्वतंत्र जांच शुरू कर दी है। कंपनी के निदेशक मंडल ने कहा है कि फिलहाल ऐसा मानने की कोई वजह नहीं है कि एनवीडिया की गोपनीय जानकारी या अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता हुआ है, लेकिन संवेदनशील कारोबारी या तकनीकी जानकारी तक बाहरी पहुंच की जांच की जाएगी। हुआंग ने भी जांच में पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया है। इस मामले पर अमेरिकी संसद की भी कड़ी नजर है, जहां डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने विस्तृत जांच में दिलचस्पी दिखाई है। एनवीडिया दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण एआई चिप निर्माता कंपनियों में शामिल है, और उसकी तकनीक का इस्तेमाल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा बड़े डेटा सेंटर में होता है।

कच्चे तेल में गिरावट से एशियाई बाजारों में तेजी

ब्रेंट क्रूड 92 डॉलर के नीचे, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 5 फीसदी से अधिक उछला

नई दिल्ली। एशियाई शेयर बाजारों में मंगलवार को जोरदार तेजी देखने को मिली। कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट और अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत शुरू होने की उम्मीद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 5 फीसदी से ज्यादा उछला, जबकि जापान का निक्केई करीब 3 फीसदी चढ़ गया। वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ने की चिंताएं कम होने से बाजारों को फायदा मिला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतें गिरकर 92 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई हैं, जो सितंबर की शुरुआत के बाद का सबसे निचला स्तर है। मंगलवार सुबह ब्रेंट करीब 1 फीसदी गिरकर 91.56 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान पर नए सैन्य हमलों को फिलहाल टालने का संकेत दिया है, जिससे दोनों देशों के बीच बातचीत शुरू होने और पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद बढ़ी है। फरवरी के आखिर में अमेरिका और इजरायल का ईरान के साथ संघर्ष शुरू होने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया था, जिससे दुनियाभर में महंगाई बढ़ी थी और कई केंद्रीय बैंकों को ब्याज दरें बढ़ानी पड़ी थीं। जानकारों के अनुसार, मौजूदा घटनाक्रम से संघर्ष खत्म होने की उम्मीद बनी है, जिससे वैश्विक महंगाई पर भी दबाव कम होगा। सोमवार को अमेरिकी शेयर बाजारों में भी बड़ी तेजी दर्ज की गई, जहां एसएंडपी 500 सूचकांक 2.35 फीसदी और नैस्डैक 2.7 फीसदी उछला। हालांकि, निवेशकों की नजर अब मंगलवार को जारी होने वाले अमेरिका के अक्टूबर के महंगाई आंकड़ों पर है। जानकारों के अनुसार, अक्टूबर में उपभोक्ता कीमतों में 0.3 फीसदी बढ़ोतरी का अनुमान है।

चीन का व्यापार अधिशेष फिर 1 लाख करोड़ डॉलर के पार

हांगकांग। चीन ने लगातार दूसरे साल एक लाख करोड़ डॉलर (1 ट्रिलियन डॉलर) से अधिक का व्यापार अधिशेष दर्ज किया है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार मजबूत निर्यात और विशेषकर उच्च प्रौद्योगिकी वाले उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग ने देश की अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान की है। सीमा शुल्क एजेंसी के मुताबिक जनवरी से अक्टूबर के बीच चीन का व्यापार अधिशेष 1.04 लाख करोड़ डॉलर रहा। अक्टूबर में निर्यात में सालाना आधार पर 35.2 प्रतिशत की शानदार वृद्धि हुई, जिसमें सेमीकंडक्टर और मोटर वाहन जैसे उच्च प्रौद्योगिकी उत्पाद प्रमुख रहे।

हिंदुस्तान यूनिलीवर ने बढ़ाए सर्फ एक्सेल, रिन और व्हील के दाम

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनियों में से एक हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने अपने कई लोकप्रिय घरेलू उत्पादों की कीमतों में वृद्धि की घोषणा की है, जिससे घर का बजट प्रभावित होने की आशंका है। कंपनी ने सर्फ एक्सेल, रिन और व्हील जैसे लोकप्रिय डिटर्जेंट ब्रांड्स के साथ-साथ मोती गुलाब जैसे साबुनों की कीमतों में 1 रुपये से लेकर 10 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। इस मूल्य वृद्धि के बाद अब कपड़े धोना और अन्य घरेलू सफाई उत्पाद खरीदना पहले से महंगा हो जाएगा। उदाहरण के तौर पर, सर्फ एक्सेल क्रिक वॉश का 1 किलोग्राम पैक अब 235 रुपये के बजाय 245 रुपये में मिलेगा, जबकि इसके 500 ग्राम वाले पैक की कीमत भी 123 रुपये से बढ़कर 128 रुपये हो गई है। रिन और व्हील डिटर्जेंट पाउडर के 1 किलोग्राम पैक में भी 3 रुपये का इजाफा हुआ है। इसी तरह, मोती गुलाब साबुन का 150 ग्राम पैक अब 74 रुपये से बढ़कर 82 रुपये का हो गया है, जो लगभग 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। एचयूएल ने बढ़ती कच्चे माल की लागत और उत्पादन खर्चों के दबाव को इस मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण बताया है।



उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ मंदिर को, सर्दियों के मौसम में इसके वार्षिक रूप से बंद होने से पहले, रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे भारत जैसे प्रमुख तेल आयातक देशों को बड़ी राहत मिली है। महज दो कारोबारी दिनों में बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 6.5 प्रतिशत से अधिक टूटकर 92 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया है। इस गिरावट की मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच तनाव में कमी आने की उम्मीदें हैं, जिसने वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंकाओं को कम किया है। मंगलवार सुबह ब्रेंट क्रूड 91.96 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जबकि अमेरिकी कच्चा तेल डब्ल्यूटीआई 86.07 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। पिछले शुक्रवार के बंद भाव के मुकाबले ब्रेंट करीब 6.47 फीसदी और डब्ल्यूटीआई 5.24 फीसदी सस्ता हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिया है कि यदि ईरान के साथ बातचीत आगे बढ़ती है तो अमेरिका की ओर से नए हमले होने की संभावना कम है, जिससे बाजार में सकारात्मक माहौल बना है। जानकारों के अनुसार, वैश्विक बाजार में पर्याप्त तेल आपूर्ति भी कीमतों पर दबाव डाल रही है, पिछले सप्ताह भी ब्रेंट क्रूड में 16 फीसदी की बड़ी साप्ताहिक गिरावट देखी गई थी। हालांकि, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक जोखिम अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तेल टैंकरों पर हमलों की खबरें आपूर्ति को लेकर जोखिम बरकरार रखती हैं, और बातचीत विफल होने या संघर्ष बढ़ने पर तेल की कीमतें फिर से बढ़ सकती हैं। भारत के लिए यह गिरावट बेहद फायदेमंद है, क्योंकि यह अपनी अधिकांश कच्चे तेल की जरूरतों को आयात से पूरा करता है। अंतरराष्ट्रीय कीमतों में कमी से देश का तेल आयात बिल घटेगा, जिससे व्यापार और चालू खाते के घाटे को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 11 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर जबलपुर,धार और खंडवा में होंगे बड़े आयोजनः

बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष कर स्वतंत्रता की अलख जगाई : मुख्यमंत्री यादव

बिरसा मुंडा जयंती को लेकर मुख्यमंत्री डॉ.यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने दी जानकारी

भोपाल। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में भाजपा 11 से 18 नवंबर तक प्रदेशभर में जनजातीय गौरव सप्ताह मनाएगी। इसके तहत 14 नवंबर को जबलपुर, 15 नवंबर को धार और 16 नवंबर को खंडवा में बड़े आयोजन किए जाएंगे। प्रदेश के सभी जिलों में सांस्कृतिक रैलियां निकाली जाएंगी। यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार-वार्ता में दी। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल तथा कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके भी मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष कर जनजातीय समाज में स्वाभिमान और स्वतंत्रता की अलख जगाई। जनजातीय समाज के जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2021 से 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जा रही है। भाजपा संगठन और सरकार जनजातीय नायकों के योगदान को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं।

दो से तीन किलोमीटर लंबी सांस्कृतिक रैली निकाली जाएगी



भोपाल। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि जनजातीय गौरव सप्ताह के दौरान प्रदेश के प्रत्येक जिले में दो से तीन किलोमीटर लंबी सांस्कृतिक रैली निकाली जाएगी। इनमें जनजातीय समाज की लोककला,परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखाई देगी। इसके अलावा जनजातीय महापुरुषों और जननायकों के नाम पर भवनों,सड़कों,चौराहों,पार्कों और अन्य सार्वजनिक स्थलों का नामकरण किया जाएगा। प्रदेश सरकार किसी महत्वपूर्ण स्थान का नाम भी जनजातीय जननायक के नाम पर रखने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में देश और जनजातीय समाज के अधिकारों के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था। उनका आंदोलन अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष के साथ-साथ जल, जंगल और जमीन पर जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा का प्रतीक था। छोटा नागपुर क्षेत्र में जनजातीय भूमि के संरक्षण से जुड़े कानून के निर्माण में भी उनके आंदोलन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। खंडेलवाल ने बताया कि 12 और 13 नवंबर को जिलों में बैठकों के माध्यम से कार्यक्रमों की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। 14 नवंबर को जनजातीय प्रतिभाओं और देवस्थानों पर स्वच्छता अभियान तथा दीप प्रज्वलन होगा। 16 और 17 नवंबर को जनजातीय छात्रावासों में युवाओं से संवाद और संपर्क अभियान चलाया जाएगा। वहीं, 18 से 20 नवंबर तक जनजातीय गौरव चौपालों का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने पशु पालकों का किया सम्मान

राज्य स्तरीय गौवर्धन पूजा एवं पशु पालक सम्मान समारोह आयोजित



राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने राज्य स्तरीय गौ पूजन एवं पशु पालक सम्मान समारोह में गौवर्धन पूजा की एवं पशु पालकों का सम्मान भी किया। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सोमवार को रविन्द्र भवन में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्प संख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायकगण श्री रामेश्वर शर्मा, श्री विष्णु खत्री व श्री भगवानदास सबनानी, नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी आदि की उपस्थिति में गौवर्धन पूजा एवं दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया एवं पशु पालकों का सम्मान भी किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पशु पालक, गणमान्य नागरिक व पशु पालन व डेयरी विभाग के अधिकारीगण मौजूद थे।

मध्यप्रदेश में तबादला उद्योग अब तबादला फैक्ट्री में बदल गया

अधिकारियों को काम करने का अवसर तक नहीं मिल रहा : जीतू पटवारी



राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर प्रदेश में अधिकारियों के लगातार हो रहे तबादलों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकारें बदलती हैं, लेकिन तबादलों की राजनीति नहीं बदलती। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में मध्यप्रदेश की राजनीति में %तबादला उद्योग% शब्द प्रचलित हुआ था, लेकिन अब मुख्यमंत्री मोहन यादव के कार्यकाल में यह व्यवस्था और व्यापक हो गई है। अंतर सिर्फ इतना है कि शिवराज सरकार में तबादला उद्योग चलता था और आपके कार्यकाल में मध्यप्रदेश में बाकायदा %तबादला फैक्ट्री% खुल गई है। श्री पटवारी ने मुख्यमंत्री को सुझाव देते हुए मांग की है कि कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं महत्वपूर्ण विभागीय पदों पर पदस्थ ड्डस और ड्डक्र अधिकारियों का सामान्य परिस्थितियों में न्यूनतम दो वर्ष का कार्यकाल सुनिश्चित किया जाए। समय से पहले तबादले की स्थिति में उसके लिखित कारण सार्वजनिक किए जाएं। केवल राजनीतिक असहमति, जनप्रतिनिधियों की नाराजगी अथवा सत्ता-संगठन के दबाव को तबादले का आधार नहीं बनाया जाए। इसके साथ ही प्रत्येक वर्ष ड्डस और ड्डक्र अधिकारियों के तबादलों, उनके कार्यकाल तथा समय से पूर्व स्थानांतरण के कारणों पर श्वेतपत्र जारी किया जाए और बार-बार तबादलों से प्रभावित विभागों एवं जिलों की प्रशासनिक कार्यक्षमता का स्वतंत्र मूल्यांकन कराया जाए। श्री पटवारी ने पत्र में कहा कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़े प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था की गंभीर स्थिति को उजागर करते हैं। दिसंबर 2023 से जुलाई 2025 के बीच महज 20 महीनों में मध्यप्रदेश में 325 से अधिक ड्डस अधिकारियों के तबादले हुए। यानी औसतन हर महीने 16 से अधिक ड्डस अधिकारियों की पदस्थापना बदली गई। दूसरे शब्दों में, प्रदेश में लगभग हर दो दिन में एक ड्डस अधिकारी का तबादला हुआ। उन्होंने कहा कि यह सिलसिला यहीं नहीं रुका। 23 जुलाई 2026 के बाद लगभग 36 ड्डस अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदली जा चुकी हैं। पिछले तीन महीनों में करीब दो दर्जन जिलों के कलेक्टर और लगभग एक दर्जन जिलों के पुलिस अधीक्षक भी बदले गए हैं। मई 2026 में ही 62 ड्डक्र अधिकारियों के तबादले किए गए। सितंबर 2025 में भी एक बड़े फेरबदल में 30 ड्डक्र और 15 ड्डस अधिकारियों के स्थानांतरण की रिपोर्ट सामने आई थी। श्री पटवारी ने सवाल उठाया कि क्या ढाई महीने में कोई कलेक्टर जिले की प्रशासनिक व्यवस्था को समझकर उसमें सुधार कर सकता हैड़ क्या छह महीने में कोई पुलिस अधीक्षक अपराध, कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग की चुनौतियों को समझकर स्थायी बदलाव ला सकता हैड़ प्रदेश में प्रशासनिक स्थिरता के बजाय लगातार पदस्थापनाएं बदलने की प्रवृत्ति हावी है। उन्होंने कूनो नेशनल पार्क के फील्ड डायरेक्टर एवं वरिष्ठ ड्डस्ट्स अधिकारी श्री बी. उत्तम कुमार शर्मा के सार्वजनिक वक्तव्य का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका अनुभव है कि एक वर्ष से कम समय में अधिकारी व्यवस्था को पूरी तरह समझ नहीं पाता। एक से दो वर्ष में वह कामकाज को समझता है और दो वर्ष से अधिक का कार्यकाल मिलने पर संस्थागत सुधारों तथा नई योजनाओं को आगे बढ़ाने का अवसर मिलता है। विडंबना यह है कि जब प्रशासनिक व्यवस्था के भीतर काम कर रहे वरिष्ठ अधिकारी पर्याप्त कार्यकाल की आवश्यकता बता रहे हैं, तब प्रदेश में अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियां समझने और परिणाम देने से पहले ही बदल दिया जाता है।

फायर ब्रिगेड अमले ने तत्परतापूर्वक 5 से 15 मिनट के अंदर

स्थल पर पहुंचकर अग्नि पर काबू पाया, तीन लोगों को रेस्क्यू भी किया

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। नगर नगर पालिक निगम, भोपाल का फायर अमला पूरी तरह से तत्पर रहकर कार्य कर रहा है। दीपावली पर निगम के फायर ब्रिगेड मुख्यालय एवं अन्य सब स्टेशनों पर 34 स्थानों से अग्नि दुर्घटना की सूचना प्राप्त हुई जिस पर फायर अमले ने तत्परता पूर्वक कार्यवाही करते हुए 5 से 15 मिनट के अल्प समय में दुर्घटना स्थलों पर पहुंचकर अग्निशमन की कार्रवाई की द्य घोड़ा निक्कास क्षेत्र में कुंदन नमकीन के पास एक भवन में अग्नि दुर्घटना की सूचना पर फायर ब्रिगेड के अमले ने त्वरित गति से कार्रवाई करते हुए बिल्डिंग में फंसे तीन लोगों को रेस्क्यू किया और किसी प्रकार की जन हानि नही हुई द्य निगम आयुक्त श्री राम प्रकाश अहिरवार के निर्देश पर निगम का फायर ब्रिगेड का अमला पूरी तरह से चाक चौबंद है और किसी भी प्रकार की अग्नि दुर्घटना की सूचना पर तीव्र गति से घटनास्थल पर पहुंचकर अग्निशमन की कार्यवाही कर रहा है और आम नागरिकों को राहत भी पहुंचा रहा है। रविवार और सोमवार के मध्य रात्रि को निगम के फायर मुख्यालय सहित अन्य फायर सब स्टेशनों पर 34 सूचनाएं प्राप्त हुईद्य उपरोक्त सूचनाओं पर निगम का अमला त्वरित गति से से घटना स्थलों पर पहुंचा और अपनी कुशलता और कर्तव्य परायणता का परिचय देते हुए तत्काल आग पर काबू पायाद्य फतेहगढ़ फायर स्टेशन पर रात्रि लगभग 23ः07 बजे घोड़ा निककास कुंदन नमकीन के पास अग्नि दुर्घटना की सूचना प्राप्त हुई जिस पर मात्र 6 मिनट के अल्प समय में फायर अमले ने घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और तीन लोगों को रेस्क्यू भी किया, दुर्घटना में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई। इसी प्रकार निगम के फायर अमले ने सभी दुर्घटना स्थलों पर त्वरित गति से कार्रवाई की और अग्निशमन के साथ नागरिकों को राहत भी पहुंचाई।

महापौर श्रीमती मालती राय ने भाई दूज पर्व पर सफाई मित्र भाईयों का किया सम्मान



राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। महापौर श्रीमती मालती राय ने भाई दूज का पर्व निगम के सफाई मित्र भाईयों के साथ मनाते हुए सफाई मित्र भाईयों को टीका लगाकर एवं मिष्ठान खिलाकर सम्मान किया। महापौर श्रीमती मालती राय ने मंगलवार को महापौर निवास पर भाई दूज कार्यक्रम का आयोजन कर नगर निगम, भोपाल के सफाई मित्र भाईयों का टीका किया और मिष्ठान खिलाकर सम्मान भी किया। महापौर श्रीमती राय ने सफाई मित्रों को स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर जोन अध्यक्ष श्रीमती बृजुला सचान व श्रीमती आरती अनेजा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

टिकट चेकिंग से पश्चिम मध्य रेल को 80.46 करोड़ की कमाई

भोपाल। मध्य प्रदेश के जबलपुर रेल मंडल द्वारा मंगलवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार पश्चिम मध्य रेल ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में अप्रैल से अक्टूबर तक टिकट चेकिंग अभियान के जरिए 80 करोड़ 46 लाख का राजस्व अर्जित किया है। इस दौरान बिना टिकट,अनियमित टिकट और बिना बुक सामान के साथ यात्रा करने के 9 लाख 63 हजार मामले पकड़े गए। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में राजस्व में 6.13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मंडलवार प्रदर्शन में जबलपुर मंडल सबसे आगे रहा। यहां 4.37 लाख मामलों से 38.09 करोड़ का राजस्व मिला। भोपाल मंडल में 3.20 लाख मामलों से 25.09 करोड़ और कोटा मंडल में 1.90 लाख मामलों से 16.08 करोड़ की वसूली हुई। वहीं मुख्यालय सीसीएम स्क्वाड ने 16 हजार मामलों से 1.20 करोड़ अर्जित किए। पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में रेलवे को 75.82 करोड़ मिले थे। इस वर्ष 4.64 करोड़ अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, यात्रियों को वैध टिकट लेकर यात्रा करने के लिए जागरूक करने और अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जांच अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

तबादलों को लेकर जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ.यादव को लिखा पत्र

भोपाल। मध्य प्रदेश में अधिकारियों के लगातार हो रहे तबादलों को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर प्रशासनिक स्थिरता और पारदर्शिता का मुद्दा उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में अधिकारियों के तबादले इतनी तेजी से हो रहे हैं कि उन्हें अपनी जिम्मेदारियों को समझने और योजनाओं को धरातल पर उतारने का पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है। पटवारी ने प्रदेश की तबादला व्यवस्था पर निशाना साधते हुए इसे तबादला फैक्ट्री करार दिया। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में जीतू पटवारी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में प्रदेश की राजनीति में तबादला उद्योग शब्द प्रचलित हुआ था। उनके मुताबिक, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यकाल में यह प्रवृत्ति और बढ़ी है। उन्होंने कहा कि सरकारों के बदलने के बावजूद अधिकारियों के तबादलों को लेकर स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं आया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने मुख्यमंत्री को सुझाव दिया है कि कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और महत्वपूर्ण विभागीय पदों पर तैनात आईएएस एवं आईपीएस अधिकारियों का सामान्य परिस्थितियों में न्यूनतम दो वर्ष का कार्यकाल सुनिश्चित किया जाए।

COP-31 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी मध्यप्रदेश की डॉ.साक्षी भारद्वाज

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में प्रदेश की बेटी की उपलब्धि, अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ाएंगी देश का मान

भोपाल। मध्यप्रदेश की पर्यावरण विशेषज्ञ एवं मध्यप्रदेश राज्य युवा पुरस्कार से सम्मानित डॉ. साक्षी भारद्वाज आगामी 9 से 20 नवंबर 2026 तक तुर्की के अंताल्या में आयोजित होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन COP-31 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। COP--29 में बाकू (अज़रबैजान) में भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद डॉ.भारद्वाज एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय जलवायु मंच पर देश और मध्यप्रदेश की आवाज बनेंगी। माइक्रोबायोलॉजी विशेषज्ञ एवं जंगलवास की संस्थापक डॉ.साक्षी भारद्वाज पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में नवाचारपूर्ण कार्य कर रही हैं। उन्होंने अपने उपक्रम के माध्यम से अपशिष्ट पदार्थों, विशेषकर नारियल के खोल का पुन: उपयोग, शहरी हरित क्षेत्रों का विस्तार,ऑक्सीजन स्टेशन और माइक्रोफॉरेस्ट्री जैसी पहल को बढ़ावा दिया है। उनके ये प्रयास जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने, जैव विविधता संरक्षण, शून्य अपशिष्ट और पर्यावरण अनुकूल शहरों के विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों से जुड़े हैं। डॉ.भारद्वाज को इसी वर्ष युवा मंत्रालय द्वारा विकसित भारत यंग लीडर कार्यक्रम में पर्यावरणीय विषयों पर ज्यूरी सदस्य के रूप में भी आमंत्रित किया गया था। वे मध्यप्रदेश के प्रमुख शिक्षाविद एवं अंतरराष्ट्रीय राजनीति के विद्वान स्वर्गीय डॉ.रामदेव भारद्वाज की पुत्री हैं। COP-31 में उनकी सहभागिता जमीनी स्तर पर किए जा रहे पर्यावरणीय नवाचारों और युवा नेतृत्व को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर होगी। उनका अनुभव और कार्य जलवायु अनुकूलन,जलवायु-प्रतिरोधी शहरों, स्वच्छ ऊर्जा तथा न्यायसंगत बदलाव जैसे विषयों पर भारत के दृष्टिकोण को मजबूती प्रदान करेंगे। डॉ.साक्षी भारद्वाज की यह उपलब्धि प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके निरंतर प्रयासों ने मध्यप्रदेश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उनकी यह उपलब्धि दर्शाती है कि प्रदेश के युवा अपने नवाचार, संकल्प और नेतृत्व क्षमता के बल पर वैश्विक चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से मादक पदार्थों की अवैध खेती, तस्करी एवं कारोबार के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस द्वारा ऐसे अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई के साथ मादक पदार्थों की खेती और सप्लाई नेटवर्क पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में विदिशा और धार जिले में पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाइयों में कुल 467.328 किलोग्राम गांजा एवं गांजे के हरे पौधे जप्त किए हैं। इनकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ 19 लाख 13 हजार रुपये है। दोनों मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। विदिशा जिले में पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत थाना करारिया चौराहा पुलिस ने ग्राम ब्योची में कार्रवाई कर 104.14 किलोग्राम गांजा जप्त किया। इसकी अनुमानित कीमत 52 लाख रुपये है। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश देकर गांजा जप्त किया तथा एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है। वहीं धार जिले में पुलिस अधीक्षक धार श्री सचिन शर्मा के निर्देशन में ऑपरेशन प्रहार के तहत थाना टाण्डा पुलिस ने ग्राम पुरा में कपास के खेत के बीच की जा रही गांजे की अवैध खेती का खुलासा किया।

भोपाल सहित कई जिलों में ठंड की दस्तक,दूसरे सप्ताह से और बढ़ेगी सर्दी



अगले चार दिनों में तापमान 1 से 2 डिग्री तक और गिरने का अनुमान

भोपाल। राजधानी भोपाल के साथ ही प्रदेश के विभिन्न जिलों में ठंड ने दस्तक दे दी है। दीपावली के बाद वैसे भी सर्दी बढ़ने लगती है। मध्य प्रदेश में सर्दी धीरे-धीरे अपना असर दिखाने लगी है। दिवाली के बाद रात के तापमान में गिरावट का दौर जारी है। सोमवार रात सीजन में पहली बार प्रदेश के किसी स्थान पर न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया। कटनी जिले के करौंदी में पारा 10.4 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री तक गिरावट आने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, 10 नवंबर की रात से उत्तर-पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसका असर मध्य प्रदेश में करीब दो दिन बाद देखने को मिल सकता है। फिलहाल प्रदेश के पूर्वी हिस्से से एक ट्रफ गुजर रही है। इसके प्रभाव से कुछ स्थानों पर हल्के बादल छाए हुए हैं, लेकिन बारिश होने की संभावना नहीं है। पचमढ़ी प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन है और आमतौर पर यहां अन्य इलाकों के मुकाबले ज्यादा ठंड पड़ती है। हालांकि, पिछले एक सप्ताह से कटनी का करौंदी और अमरकंटक पचमढ़ी से भी ठंडे बने हुए हैं। बीती रात करौंदी में सबसे कम 10.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। इसके अलावा अमरकंटक में 11.4 डिग्री, कल्याणपुर में 11.8 डिग्री, दमोह में 12.5 डिग्री, रायसेन में 12.6 डिग्री, उमरिया में 13 डिग्री, जबलपुर और पचमढ़ी में 13.4 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहा। इसी तरह छिंदवाड़ा में 13.5 डिग्री, मलाजखंड और रीवा में 13.6 डिग्री, मंडला में 13.8 डिग्री,भोपाल और इंदौर में 14 डिग्री,जबकि नौगांव में 14.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। कटनी जिले का करौंदी कस्बा फिलहाल प्रदेश में सबसे ठंडा बना हुआ है। यहां लगातार न्यूनतम तापमान सबसे कम दर्ज किया जा रहा है। जानकारों के अनुसार, करौंदी विंध्याचल पर्वत श्रृंखला की पहाड़ियों के ढलान पर बसा है। सर्दियों में रात के समय पहाड़ों की ऊंची चोटियों की हवा तेजी से ठंडी और भारी हो जाती है। इसके बाद यह हवा ढलान से नीचे की ओर बहती है। इस प्रक्रिया को वैज्ञानिक भाषा में कैटाबेटिक विंड्स या थर्मल इन्वर्जन कहा जाता है। इसके प्रभाव से मैदानी और ढलान वाले क्षेत्रों में रात के समय तापमान तेजी से गिर सकता है। करौंदी में भी ठंड बढ़ने की एक वजह यही मानी जा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, नवंबर के दूसरे सप्ताह से प्रदेश में ठंड का असर और तेज होने की संभावना है। खासतौर पर ग्वालियर-चंबल संभाग के जिलों में तापमान में अधिक गिरावट देखने को मिल सकती है। इन इलाकों में उत्तर दिशा से आने वाली ठंडी हवाओं का सीधा असर पड़ता है। अगले कुछ दिनों में रात के तापमान में गिरावट के साथ सर्दी और बढ़ने के आसार हैं।

पटाखों का कचरा सामान्य कचरे से अलग ही एकत्र करें : अहिरवार



राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार द्वारा शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृड़ बनाने के दृष्टिगत नियमित रूप से नगर भ्रमण कर साफ-सफाई व्यवस्था सहित अन्य नागरिक सुविधाओं का अवलोकन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने सोमवार को प्रात: न्यू मार्केट, एम.पी.नगर, आनन्द नगर आदि के बाजार क्षेत्रों सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण किया और सफाई मित्रों द्वारा की गई साफ-सफाई की सराहना करते हुए निगम अमले सहित अन्य नागरिकों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के दृष्टिगत पटाखों आदि के कचरे को सामान्य कचरे से अलग एकत्र करने के निर्देश दिए साथ ही सड़कों की सफाई के दौरान धूल-मिट्टी को उड़ने से रोकने के दृष्टिगत सफाई कार्य से पूर्व पानी का छिड़काव भी करने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने इस दौरान अनेक स्थानों पर सफाई मित्रों से संवाद किया और आनन्द नगर क्षेत्र में चाय पर चर्चा भी की। इस अवसर पर उपायुक्त श्री चंचलेश गिरहारे सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे। निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार ने प्रात: 06:00 बजे से नगर भ्रमण प्रारंभ किया और न्यू मार्केट के आंतरिक एवं बाह्य क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था का अवलोकन किया। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने न्यू मार्केट में की गई साफ-सफाई पर संतोष व्यक्त किया और निर्देशित किया कि दुकानदारों को कचरा, पन्नी व अन्य प्रकार की वस्तुएं डस्टबिन में ही रखने और कचरा वाहन को ही कचरा देने की समझाइश दी जाए। श्री अहिरवार ने निर्देशित किया कि समझाइश के उपरांत भी कचरा सड़कों, सार्वजनिक स्थलों पर फैलाने वालों के विरूद्ध सख्ती से स्पॉट फाईन की कार्यवाही भी की जाए। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने सड़कों आदि की सफाई से पूर्व पानी का छिड़काव की व्यवस्था करने के निर्देश दिए ताकि धूल-मिट्टी कम उड़े और सफाई मित्रों को कार्य में कठिनाई भी न हो। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने एम.पी.नगर के विभिन्न क्षेत्रों में भी साफ-सफाई एवं कचरा परिवहन की व्यवस्था का भी जायजा लिया और साफ-सफाई एवं सड़कों, फुटपाथों की और अधिक बेहतर ढंग से सफाई एवं धुलाई कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने यहां भी सफाई मित्रों से चर्चा कर कार्य के दौरान आने वाली व्यवहारिक कठिनाईयों के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

